page 1 and 8 Feb 18_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/18/2026 1:54 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू-कश्मीर में 44 सार्वजनिक उपक्रमों में से 24 घाटे में, चार गैर-कार्यात्मक : सरकार

5 मंधाना समेत कई सितारों को बीबीसी इंडियन स्पोर्टसवूमन आफद ईयर 2025 में सम्मान

8 गो-तस्कर की करीब 9.82 लाख रुपये कीमत की गाड़ी को किया जब्त

मौसम जम्मू — न्यूनतम 11 — अधिकतम 23

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

# देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-43 | जम्मू तवी, बुधवार 18 फरवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

## जम्मू में एक गैंगस्टर और दो पाकिस्तानी नागरिकों के फरार होने के बाद छह पुलिसकर्मी निलंबित

**जम्मू, 17 फ़रवरी** । आरएस पुरा सेक्टर के किशोर सुधार गृह से तीन कैदियों के फरार होने के बाद लापरवाही बरतने के आरोप में छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। फरार होने वालों में दो पाकिस्तानी नागरिक और एक स्थानीय गैंगस्टर था।

आरएस पुरा के डबलेहर निवासी कराजीत सिंह उर्फ गुग्गा और पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद सुना-उल्लाह और अहसान अनवर सोमवार शाम करीब 5.15 बजे पुलिसकर्मियों पर हमला कर किशोर सुधार गृह से फरार हो गए थे।

इस घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घटना के संबंध में कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एक सहायक सब-इंस्पेक्टर सहित छह पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि ये निलंबन विभागीय जांच का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि यह घटना कैसे घटी, सुरक्षा में सेंध क्यों लगी और क्या तैनात कर्मियों द्वारा कर्तव्य में कोई चूक हुई थी।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 (हत्या का प्रयास), 132 (सरकारी कर्मचारी को कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 262 (कानूनी हिरासत से प्रतिरोध करना, बाधा डालना या भागना), 307 (मृत्यु, चोट या अवरोध पैदा करने की तैयारी के साथ चोरी), 111 (संगठित अपराध) और शस्त्र अधिनियम की धारा 3 और 25 (हथियारों का अनाधिकृत कब्ज़ा, परिवहन और उपयोग) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

जम्मू और कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात और जम्मू जोन के महानिरीक्षक भीम सेन तुती अन्य अधिकारियों के साथ घटना के बाद घटनास्थल पर पहुंचे और साजिश और कैदियों द्वारा देसी पिस्तौल की खरीद सहित विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए विभागीय जांच चल रही है।

खौफ गिरोह से जुड़े एक कथित गैंगस्टर का किशोर सुधारगृह के अंदर गोलीबारी करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे लोगों में चिंता फैल गई।

पूर्व डीजीपी एस पी वैद ने इस घटना को लेकर पुलिस से सवाल किए। उन्होंने बताया कि तीनों कैदी अब किशोर नहीं रहे थे।

## नरेंद्र मोदी बोले, फ्रांस के साथ भारत का रिश्ता इनोवेशन ही नहीं, भरोसे का भी

**नई दिल्ली,17 फ़रवरी** । । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने मुंबई में आयोजित इंडिया-फ्रांस इनोवेशन फोरम-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस जैसे दो बड़े इनोवेशन हब का एक साथ आना वैश्विक सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और दोनों देशों का संबंध नवाचार के साथ-साथ भरोसे और साझा मूल्यों पर आधारित है।

इनोवेशन ईयर मनाने का साझा निर्णय- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस ने वर्ष 2026 को 'इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने इसे केवल उत्सव नहीं, बल्कि साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।

भारत की नवाचार परंपरा और स्टार्टअप शक्ति - नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने अपनी हजारों वर्षों की यात्रा में गणित, चिकित्सा,

धातु विज्ञान और वास्तुकला जैसे क्षेत्रों में मानव कल्याण के लिए निरंतर नवाचार किया है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में भी भारत के युवा 'इनोवेशन फॉर ग्लोबल गुड' के लक्ष्य के साथ तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम - उन्होंने कहा कि देश का स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से विकसित हुआ है। स्टार्टअप इंडिया पहल के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। वर्ष 2014 में जहां देश में केवल चार यूनिकॉर्न कंपनियां थीं, वहीं अब उनकी संख्या 120 से अधिक हो गई है।

रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाई ; प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-फ्रांस संबंध अद्वितीय हैं और फ्रांस भारत के सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में से एक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति मैक्रॉन के नेतृत्व में दोनों देशों की साझेदारी को अभूतपूर्व गहराई और गतिशीलता मिली है और अब यह विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंच रही है।

संयुक्त निर्माण और वैश्विक निर्यात ; नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस मिलकर ऐसा हेलीकॉप्टर बनाएंगे जो माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम होगा। इसका निर्माण भारत में किया जाएगा और इसे वैश्विक बाजार में निर्यात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सहयोग वैश्विक स्थिरता और प्रगति के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा जल्द बहाल किया जाएगा : केंद्रीय मंत्री मेघवाल

**जम्मू, 17 फ़रवरी** । केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री Arjun Ram Meghwal ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को जल्द ही राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। उनके इस बयान पर मुख्यमंत्री Omar Abdullah ने त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इंतजार ज्यादा लंबा नहीं होगा।

यहां Sher-i-Kashmir International Conference Centre (एसकेआईसीसी) में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मेघवाल ने संवाददाताओं से कहा कि हालांकि यह बहुत संवेदनशील मुद्दा है, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री Amit Shah लोकसभा में कह चुके हैं कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा।

उन्होंने कहा, आपको यह मिलेगा, लेकिन इसके लिए एक प्रक्रिया है। मुझे लगता है कि इस संबंध में आपको जल्द ही किसी निर्णय की खबर सुनने को मिलेगी।

मेघवाल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, जो उसी कार्यक्रम में मौजूद थे, उमर अब्दुल्ला ने कहा, मैंने सुना कि (केंद्रीय) मंत्री ने कहा है कि हमें जल्द ही अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। उन्होंने कहा, डेढ़ साल का इंतजार हो चुका है। हमें उम्मीद है कि अब और ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

## जम्मू-कश्मीर में जनता की संतुष्टि के लिए राज्य का दर्जा बहाल करना महत्वपूर्ण है : मुख्यमंत्री उमर

**जम्मू, 17 फ़रवरी** । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता को पूर्ण संतुष्टि तभी मिलेगी जब राज्य का दर्जा बहाल होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार के साथ निरंतर बातचीत जारी है और जल्द ही सकारात्मक परिणाम की उम्मीद जताई। उन्होंने 14 पर्यटन स्थलों के फिर से खुलने का स्वागत किया और भाजपा पर भूमि और निधि के कथित कुप्रबंधन को लेकर आलोचना की।

शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री उमर ने जोर दिया कि हालांकि प्रक्रिया में उम्मीद से ज्यादा समय लगा है लेकिन केंद्र सरकार के साथ निरंतर बातचीत जारी है और सकारात्मक समाधान की उम्मीद अभी भी बनी हुई है।उमर ने कहा, फ़यह अच्छी बात है कि 14 पर्यटन स्थल फिर से खुल गए हैं। इन्हें बंद रखने का कोई मतलब नहीं है। यूसमर्ग और दोधपथरी जैसे क्षेत्रों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, पर्यटन बंद होने के कारण वहां के लोगों को नुकसान उठाना पड़ा। अब हमारा सीजन शुरू हो रहा है और मुझे उम्मीद है कि सभी लोग इन जगहों की खूबसूरती का लाभ उठाएंगे।

प्रक्रिया जारी है लेकिन इसमें उम्मीद से ज्यादा समय लग गया है। हमें अब तक कुछ अच्छी खबर मिलने की उम्मीद थी। अभी तक तो नहीं मिली लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार के साथ लगातार बातचीत चल रही है। डेढ़ साल बीत चुके हैं और उम्मीद है कि हमें सकारात्मक अपडेट के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए उनके बयानों और कार्यों में मौजूद विसंगतियों को उजागर किया।

## जम्मू-कश्मीर में वन संरक्षण मजबूत करने के लिए सरकार सख्त, अतिक्रमित भूमि वापस लेने की कार्रवाई जारी

**जम्मू, 17 फरवरी** । जम्मू-कश्मीर सरकार वन संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और वन्यजीव सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश योजनाओं को लागू कर रही है। यह जानकारी वन, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी मंत्री जावेद राणा ने विधानसभा में विधायक राजीव जसरोटिया के प्रश्न के उत्तर में दी।

मंत्री ने बताया कि वर्तमान में कैपेक्स बजट, ग्रीन इंडिया मिशन, फॉरेस्ट फायर प्रिवेंशन एंड मैनेजमेंट स्कीम, नगर वन योजना, कैंपा और नेशनल प्लान फॉर कंजर्वेशन ऑफ एक्वेटिक इकोसिस्टम सहित कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सभी कार्य और खरीद प्रक्रियाएं सरकारी वित्तीय नियमों के तहत पूरी पारदर्शिता के साथ की जाती हैं। खैर पेड़ों की कटाई और बिक्री के संबंध में मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया वर्ष 2016 के नियमों के तहत नियंत्रित है और किसान निर्धारित प्रावधानों के अनुसार खैर की लकड़ी को केंद्र शासित प्रदेश से बाहर भी बेच सकते हैं।

मंत्री ने सदन को बताया कि 31 दिसंबर 2025 तक जम्मू-कश्मीर में 19,496.73 हेक्टेयर वन भूमि पर अतिक्रमण दर्ज किया गया है। इस अतिक्रमण को हटाने के लिए वन विभाग द्वारा सर्वे, सीमांकन, नोटिस जारी करने, अतिक्रमण हटाने, बाड़बंदी, पौधारोपण तथा ड्रोन, जीपीएस और रिमोट सेंसिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार वन क्षेत्रों को अतिक्रमण से मुक्त कराने और पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है।

## लद्दाख उत्तरी सेना के कमांडर ने उपराज्यपाल लद्दाख से मुलाकात की

**लेह, 17 फरवरी**। सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने मंगलवार को लेह में लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता से मुलाकात की और उन्होंने सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। बैठक के दौरान उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के साथ लेह स्थित 14 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला भी थे। उन्होंने कहा कि गुप्ता ने सीमाओं की सुरक्षा और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सेना की भूमिका की सराहना की, जबकि जीओसी-इन-सी ने केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा और अखंडता के लिए सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

## तस्वीरें जारी, सुरक्षा बलों ने लोगों से मांगी मदद

**जम्मू, 17 फ़रवरी** । जम्मूकश्मीर के बॉर्डर जिलों में पांच संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादियों की तस्वीरें जारी कीं और लोगों से आतंकियों की गतिविधियों को ट्रैक करने में मदद मांगी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह जम्मू-कश्मीर के बाहर से मिली इंटेलिजेंस इनपुट के बाद हुआ है, जिसमें बॉर्डर पार से आतंकियों की संदिग्ध घुसपैठ के बारे में बताया गया है। पब्लिक इन्फॉर्मेशन टाइटल वाले इस पोस्टर में लोगों से अपील की गई है कि अगर कहीं भी संदिग्ध दिखे तो तुरंत सिक्योरिटी फोर्स, आर्मी, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, पुलिस या बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स को बताएं या हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। इसमें लोगों को यह भी भरोसा दिलाया गया है कि जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। सूत्रों ने बताया कि पंजाब में सिक्योरिटी एजेंसियों ने बॉर्डर पार से संदिग्ध आतंकवादियों की घुसपैठ के इंटेलिजेंस इनपुट शेयर किए थे। उन्होंने आगे कहा, फ़सिक्योरिटी फोर्स कठुआ, किश्तवाड़, उधमपुर, डोडा और सांबा जिलों में आतंकवादियों को बेअसर करने और बॉर्डर पार के आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के लिए एंटी-टेरर ऑपरेशन तेज कर रही हैं।

## जम्मू-कश्मीर में छोटे और सीमांत किसानों के बिजली बिल के बकाया माफ करने का कोई प्रस्ताव नहीं: सरकार

**जम्मू, 17 फ़रवरी** । जम्मू-कश्मीर सरकार ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा को सूचित किया कि केंद्र शासित प्रदेश में छोटे और सीमांत किसानों के बिजली बिल के बकाया को माफ करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। विद्युत विकास विभाग (पीडीडी) के प्रभारी मंत्री प्रोफेसर घरू राम द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सरकार ने कहा कि उसका बिजली बिल माफ करने का कोई इरादा नहीं है। सदन को सूचित किया गया कि डिस्कॉम पहले से ही कृषि क्षेत्र को भारी रियायती दरों पर बिजली की आपूर्ति कर रहे हैं।

### कश्मीर के सेब उद्योग में बढ़ते संकट से निपटने के लिए एक सामूहिक रणनीति तैयार : पारा

**श्रीनगर, 17 फरवरी** । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के नेता और पुलवामा के विधायक वहीद उर रहमान पारा ने कश्मीर के सेब उद्योग में बढ़ते संकट से निपटने के लिए एक सामूहिक रणनीति तैयार करने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है जिसमें चेतावनी दी गई है कि इस क्षेत्र पर निर्भर लगभग 7 मिलियन लोग प्रभावित हो सकते हैं।

सेब को जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए, पारा ने अमेरिका, न्यूजीलैंड और यूरोपीय देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों के बीच स्थानीय उत्पादकों के लिए सुरक्षा उपाय करने का आग्रह किया। सरकार की कटाई से पहले और कटाई के बाद की बागवानी पहल की सराहना करते हुए, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 30 लाख कनाल बाग भूमि में से केवल 30,000 कनाल उच्च घनत्व वाली खेती के तहत हैं, और एचएडीपी के तहत किसानों के लिए ब्याज मुक्त ऋण की मांग की।

## बीआरओ 48 घंटों के भीतर मुगल रोड से बर्फ हटा देगा; बहाली जल्द ही होने की संभावना

**जम्मू, 17 फ़रवरी** । सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा मुगल रोड पर बर्फ हटाने का अभियान अगले 48 घंटों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है जिससे कश्मीर घाटी के इस महत्वपूर्ण वैकल्पिक मार्ग के शीघ्र ही बहाल होने की आशा बढ़ गई है।

अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी दी कि जम्मू क्षेत्र के दो सीमावर्ती जिलों पुंछ और राजौरी को दक्षिण कश्मीर के शोपियां से जोड़ने वाली यह सड़क क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण 20 जनवरी को यातायात के लिए बंद कर दी गई थी। बर्फ से ढके रहने के कारण यह महत्वपूर्ण सड़क आमतौर पर सर्दियों में पांच से छह महीने तक बंद रहती है।

एक अधिकारी ने बताया कि पिछले वर्ष बीआरओ के अधीन आए इस रणनीतिक मार्ग पर अपनी तरह की पहली पहल की गई है जिसमें एजेंसी ने मध्य सर्दियों में बर्फ हटाकर इसे यातायात योग्य बनाया है - जो क्षेत्र में शीतकालीन संपर्क प्रयासों में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। बर्फ हटाने का काम तेज़ी से चल रहा है और सड़क के दोनों सिरों पर विशेष रूप से तैनात बीआरओ टीमें तैनात हैं।

बीआरओ अधिकारी ने बताया, शोपिया की तरफ से टीमें पीर की गली की ओर बर्फ हटा रही हैं जबकि पुंछ की टीमें उसी केंद्रीय बिंदु की ओर बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि दोनों सिरों से बर्फ हटाने का काम पूरा हो चुका है ताकि एक लेन की कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो सके। अगले चरण में सड़क को चौड़ा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा ताकि खुलने के बाद यातायात सुगम और सुरक्षित हो सके।

अधिकारी ने आगे कहा, यह काम अगले 48 घंटों के भीतर पूरा हो जाएगा जिसके बाद जिला प्रशासन जमीनी स्थिति का आकलन करेगा और सड़क को फिर से खोलने के बारे में निर्णय लेगा।

## विकसित भारत@2047 : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का आह्वान, छात्र भविष्य के दर्शक नहीं, बल्कि निर्माता बनें

**जम्मू, 17 फरवरी।** उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को डेवलप्ड इंडिया@2047 के विज़न को पूरा करने के लिए एजुकेशनल कैंपस को बदलने की अपील की। उन्होंने ऐसे टेक्नोलॉजिकल इकोसिस्टम बनाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया जो लगातार खुद को नया बनाते रहें, जो एक जैसे न रहें या बेफिक्र न हों और बदलाव को मौके के तौर पर अपनाएं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा, टेक्नोलॉजी क्रांति में भारत का मकसद सिर्फ़ हिस्सा लेने से आगे बढ़ना चाहिए। हमें लीडर बनना होगा। आज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग इंसानी सभ्यता की राह को नया आकार दे रहे हैं। जो देश इन टेक्नोलॉजी में माहिर हो जाएंगे, वे आने वाली सदी के लिए नियम लिखेंगे। वह इनोवाथॉन 1.0 के तहत 48 घंटे के नेशनल लेवल के हैकाथॉन के आखिरी मौके पर बोल रहे थे। जम्मू यूनिवर्सिटी के स्किल, इनक्यूबेशन, इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर द्वारा ऑर्गनाइज़ किए गए इस हैकाथॉन का मकसद इनोवेशन को बढ़ावा देना, टेक्नोलॉजी पर आधारित सॉल्यूशन के डेवलपमेंट को बढ़ावा देना और एंटरप्रेन्योरशिप की सोच को मज़बूत करना था।

लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि आज भारत के युवा किनारे से भविष्य को खुलते हुए नहीं देख रहे हैं, बल्कि वे आगे क्या होने वाला है, इसके आर्किटेक्ट, बिल्डर, डिज़ाइनर हैं। उन्होंने कहा कि नए इनोवेशन और नए आइडिया, कटिंग-एज रिसर्च में हमारे देश की किस्मत बदलने की ताकत है। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा, युवा पीढ़ी को बदलाव लाने वाले इनोवेशन करने चाहिए क्योंकि डेवलप्ड इंडिया2047 सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि यह एक कमिटमेंट दिखाता है - खुद से और आने वाली पीढ़ियों से किया गया एक वादा। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने कहा कि हमारे कैंपस सिर्फ डिग्री देने वाले इंस्टीट्यूशन से आगे बढ़ गए हैं और वे आइडिया की फैक्ट्री, इनोवेशन की वर्कशॉप में बदल गए हैं, जहाँ संभावनाएँ असल रूप लेती हैं। उन्होंने इनोवाथॉन 1.0 के ज़रिए क्लासरूम थ्योरी और ऑथेंटिक लर्निंग, एब्स्ट्रैक्ट कॉन्सेप्ट और प्रैक्टिकल एप्लीकेशन के बीच के अंतर को पाटने की अपनी अनोखी कोशिश के लिए जम्मू यूनिवर्सिटी की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि इनोवाथॉन 1.0 के पांच थीम वाले पिलर्स- कृत्रिम तकनीक, साइबर-फिजिकल सिस्टम्स, सस्टेनेबिलिटी, हेल्थ-टेक और रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म, भारत के डेवलप्ड देश बनने के सफर में उसके लिए असली चुनौतियों और मौकों को दिखाते हैं।

## राजनाथ सिंह-कैथरीन वाउटरिन वार्ता : 10 वर्षों के लिए बढ़ा भारत-फ्रांस रक्षा सहयोग समझौता, भारत में बनेगी हैमर मिसाइल

**बेंगलुरु /नई दिल्ली,17 फ़रवरी** । केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फ्रांस की रक्षा मंत्री कैथरीन वोत्रां के बीच मंगलवार को एक अहम बैठक हुई। भारत और फ्रांस ने रक्षा सहयोग समझौते का नवीनीकरण अगले 10 साल के लिए बढ़ा दिया। वहीं, फ्रांस की हैमर मिसाइल भी भारत में बनेगी। बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को नई दिशा देने पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान ये निर्णय लिए गए। दरअसल, हैमर मिसाइल फ्रांस की एक अत्याधुनिक मीडियम रेंज की हवा से सतह पर मार करने वाली गाइडेड मिसाइल है। यह लड़ाकू विमान 'राफेल का मुख्य हथियार भी है। गौरतलब है कि भारत ने फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमान खरीदे हैं। नए राफेल विमानों की बातचीत भी जारी है। ऐसे में हैमर मिसाइल का भारत में निर्माण होने से वायुसेना की शक्ति काफी बढ़ जाएगी। दोनों रक्षा मंत्रियों की बातचीत का मुख्य

फोकस रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन, अत्याधुनिक तकनीक में साझेदारी, और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच सीधा जुड़ाव मजबूत करने पर रहा। बैठक के दौरान भारत और फ्रांस ने अगले 10 वर्षों के लिए रक्षा सहयोग समझौते को नवीनीकृत किया। यह समझौता भारतीय पक्ष की ओर से रक्षा सचिव और फ्रांसीसी पक्ष की ओर से अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं रणनीति के उप महानिदेशक द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। इस कदम को दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और गहराई देने वाला माना जा रहा है। एक और बड़ी घोषणा के तहत भारत की भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और फ्रांस की सैफ़ान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड डिफेंस के बीच हैमर मिसाइलों पर समझौता हुआ। भारत में हैमर मिसाइलों के निर्माण के लिए संयुक्त उद्यम के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल से 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा मिलेगा और उन्नत हथियार प्रणालियों के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता मजबूत होगी। दोनों देशों ने यह भी घोषणा की कि भारतीय सेना और फ्रांसीसी थल सेना के प्रतिष्ठानों में अधिकारियों की पारस्परिक तैनाती की जाएगी।

## जम्मू-कश्मीर में 2023 से 2025 के बीच मानव-वन्यजीव संघर्ष के 15,661 मामले, 32 मौतें: सरकार

**जम्मू, 17 फ़रवरी** । जम्मू-कश्मीर में 2023 से 2025 के बीच मानव-वन्यजीव संघर्ष के कुल 15,661 मामले दर्ज किए गए जिनमें 32 लोगों की मौत हुई और 350 लोग घायल हुए। इनमें से लगभग 18 प्रतिशत घटनाएं अकेले जम्मू जिले में हुईं। वन मंत्री जावेद राणा ने मंगलवार को विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के विधायक मुबारक गुल के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। घटनाओं का जिलावार विवरण देते हुए मंत्री ने बताया कि अकेले 2023-24 में 9,301 मामले दर्ज किए गए जिनमें 137 लोग घायल हुए और 18 लोगों की मौत हुई। उन्होंने बताया कि जम्मू जिले में सबसे अधिक 1,444 मामले

दर्ज किए गए, इसके बाद कुपवाडा (1,173), किश्तवाड (998), बारामूला (950), डोडा (826) और रामबन (756) का स्थान रहा। कुपवाडा में इस दौरान चार मौतें हुईं जबकि डोडा और अनंतनाग में तीन-तीन मौतें दर्ज की गईं। सरकार ने बताया कि 2024-25 के लिए अब तक 6,360 मामले दर्ज किए गए हैं जिनमें 213 लोग घायल हुए हैं और 14 लोगों की मौत हुई है। आंकड़ों के अनुसार जम्मू जिला एक बार फिर 1,341 मामलों के साथ सूची में सबसे ऊपर रहा, इसके बाद रामबन (686), किश्तवाड (673), अनंतनाग (637) और डोडा (609) का स्थान रहा। पुलवामा में 30 लोग घायल हुए जबकि अनंतनाग में चालू वित्त वर्ष के दौरान सबसे अधिक 34 लोग घायल हुए। आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में डोडा और कुपवाडा में तीन-तीन मौतें हुईं जबकि अनंतनाग में दो मौतें दर्ज की गईं। मंत्री ने सदन को सूचित किया कि जम्मू क्षेत्र में प्रभावित व्यक्तियों की आयु 15 से 60 वर्ष के बीच है जबकि कश्मीर क्षेत्र में यह 4 से 70 वर्ष के बीच है। सरकार ने कहा कि दीर्घकालिक सह-अस्तित्व सुनिश्चित करने के लिए मानव-वन्यजीव संघर्ष (एचडब्ल्यूसी) शमन उपायों को विकास नियोजन में एकीकृत किया जा रहा है।

# कितना सही है नाश्ते में दही लेना

**नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?**

## पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

## समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

## इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

## खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

# लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

### जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

### तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

### तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

### फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

### ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

# शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

## शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

## हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

## शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

# चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

**अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.**

## आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

## पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

## ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

## चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

## पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

# ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

**गीला कपड़ा** - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

**नारियल का तेल** - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

**हर्बल टी** - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

**नमक** - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

**बेकिंग सोडा** - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

**ठंडा दूध** - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

**एलोवेरा** - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

**कच्चा आलू** - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

## कंडी क्षेत्र में बढ़ते नशे के कारोबार पर ग्रामीणों का रोष, प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन से की सख्त कार्रवाई की मांग

**कठुआ, 17 फरवरी (हि.स.)।** कठुआ जिले के कंडी क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों के लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को जिला सचिवालय पहुंचा और बढ़ते नशे के कारोबार पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पुरुषोत्तम सिंह पोली ने किया।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने बताया कि कंडी क्षेत्र में नशे का कारोबार तेजी से फैल रहा है, जिससे युवा पीढ़ी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारें देश के भविष्य यानी युवाओं को बचाने के लिए गंभीर नहीं हैं। उनका कहना था कि भले ही नए-नए कानून बनाए जा रहे हैं, लेकिन नशा तस्करों के खिलाफ प्रभावी और सख्त कार्रवाई नहीं हो रही है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस छोटे-मोटे नशा करने वालों को पकड़कर केवल औपचारिकता पूरी करती है जबकि बड़े नशा तस्कर खुलेआम घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि थोड़ी मात्रा में नशा बरामद कर खानापूर्ति की जाती है, लेकिन नशे के बड़े नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने यह भी कहा कि बढ़ती बेरोजगारी के कारण युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं, जो समाज और देश के लिए गंभीर खतरा है।

उन्होंने चुने हुए जनप्रतिनिधियों पर भी निष्क्रिय रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि नशे के खिलाफ आवाज उठाना उनका कर्तव्य है, लेकिन जब जनप्रतिनिधि ही चुप हैं, तो वरिष्ठ नागरिकों और आम जनता को आगे आना पड़ रहा है। वरिष्ठ नागरिकों ने बताया कि उन्होंने चिट्टा भगाओ, पर्यावरण बचाओ नाम से एक जागरूकता अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य प्रशासन और पुलिस को इस गंभीर समस्या के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए, तो आने वाली पीढ़ी पूरी तरह नशे की चपेट में आ सकती है। प्रतिनिधिमंडल डीसी कठुआ से मिलने जिला सचिवालय पहुंचा था, लेकिन समयाभाव के कारण उनकी मुलाकात एडीसी कठुआ से हुई। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एडीसी को ज्ञापन सौंपकर नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कानून और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

## जम्मू-कश्मीर में 14.29 लाख कनाल सरकारी जमीन पर अतिक्रमण मुक्त कराई गई

**जम्मू, 17 फरवरी (हि.स.)।** सरकार ने मंगलवार को सदन को सूचित किया कि जम्मू-कश्मीर में 17.27 लाख कनाल से अधिक सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया गया है, जिसमें से अब तक 14.29 लाख कनाल से अधिक जमीन वापस ली जा चुकी है।

विधायक शाम लाल शर्मा द्वारा अतिक्रमण की गई और वापस ली गई सरकारी जमीन की स्थिति के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में राजस्व विभाग ने सदन को बताया कि कश्मीर मंडल में 3,27,198.50 कनाल सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया गया है जिसमें से 2,16,912.98 कनाल जमीन वापस ली जा चुकी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जम्मू डिवीजन में 14,00,049.66 कनाल भूमि पर अतिक्रमण किया गया है जबकि 12,12,287.44 कनाल भूमि वापस प्राप्त कर ली गई है। कुल मिलाकर जम्मू-कश्मीर में 17,27,248.16 कनाल सरकारी भूमि पर अतिक्रमण पाया गया, जिसमें से 14,29,200.42 कनाल भूमि वापस प्राप्त कर ली गई है।

## जम्मू-कश्मीर में 44 सार्वजनिक उपक्रमों में से 24 घाटे में, चार गैर-कार्यात्मक : सरकार

**17 फरवरी (हि.स.)।** केंद्र शासित प्रदेश सरकार ने मंगलवार को विधानसभा को सूचित किया कि जम्मू-कश्मीर में 44 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में से 24 घाटे में चल रहे हैं और चार गैर-कार्यात्मक हैं।

सरकार ने कहा कि वह बीमार सार्वजनिक उपक्रमों को मजबूत करने और उनके परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन में सुधार करने के तरीकों की जांच कर रही है।

विधायक जावेद रियाज के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में 10 लाभ कमाने वाले सार्वजनिक उपक्रम, 24 घाटे में चलने वाले सार्वजनिक उपक्रम, चार गैर-कार्यात्मक सार्वजनिक उपक्रम, दो वैधानिक निगम और एक निष्क्रिय सार्वजनिक उपक्रम हैं।

उन्होंने लाभ कमाने वाले सार्वजनिक उपक्रमों की पहचान जे-के बैंक, जे-के स्टेट पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, जे-के मेडिकल सप्लाइज कॉरपोरेशन लिमिटेड, जे-के केबल कार कॉरपोरेशन लिमिटेड, जे-के महिला विकास निगम, जे-के बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज (जे-के बैंक की एक सहायक कंपनी), जे-के पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन, चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (जेकेएसपीडीसी के साथ एक केंद्रीय पीएसयू संयुक्त उद्यम), रैटल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेकेएसपीडीसी के साथ एक केंद्रीय पीएसयू संयुक्त उद्यम) और जे-के डेवलपमेंट फाइनेंस के रूप में की।

## रजनी सेठी ने बिश्नाह हत्याकांड में कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की

**जम्मू, 17 फ़रवरी (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रवक्ता रजनी सेठी ने भविष्य में ऐसे जघन्य अपराधों को रोकने के लिए त्वरित न्याय और मिसाल कायम करने वाली सजा सुनिश्चित करने हेतु कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई और त्वरित सुनवाई की मांग की। बिश्नाह में पीड़िता के परिवार से मुलाकात के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। रजनी सेठी ने कहा, बिश्नाह में साढ़े तीन साल की मासूम बच्ची के साथ हुए जघन्य अपराध ने पूरे जम्मू-कश्मीर को झकझोर दिया है। यह सिर्फ एक परिवार का दर्द नहीं है बल्कि समाज की अंतरात्मा पर एक गहरा घाव है। मंदिरों की नगरी के रूप में प्रसिद्ध यह भूमि जहां नवरात्रि के दौरान छोटी बच्चियों को देवी के रूप में पूजा जाता है, आज ऐसे भयावह और अस्वीकार्य कृत्य से शर्मिंदा है। आज मैं रजनी सेठी भाजपा प्रवक्ता बिश्नाह गई और पीड़िता के परिवार से मिली। बच्ची की हालत देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए। बेटियां हम सबकी होती हैं; उनकी गरिमा, सुरक्षा और संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवार ने स्पष्ट रूप से आरोपियों के लिए मृत्युदंड की मांग की है। आज बिश्ना में मैंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए इस घटना की निंदा की।

## जम्मू डिविजन में रेलवन ऐप के प्रचार हेतु स्कूल और विश्वविद्यालयों में जागरूकता अभियान

**जम्मू, 17 फ़रवरी (हि.स.)।** जम्मू डिविजन में उत्तर रेलवे द्वारा डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए रेलवन ऐप के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता कैंप आयोजित किए गए। वरिष्ठ मंडल वाणिय प्रबंधक श्री उचित सिंघल के मार्गदर्शन में यह अभियान जम्मू के सभी रेलवे स्टेशनों और विश्वविद्यालयों में छात्रों और शिक्षकों के बीच आयोजित किया गया। इस बहुउद्देशीय डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से यात्री आरक्षित, अनारक्षित और प्लेटफ़ॉर्म टिकट एक ही ऐप से बुक कर सकते हैं। डिजिटल भुगतान पर अनारक्षित और प्लेटफ़ॉर्म टिकट पर 3 प्रतिशत की छूट उपलब्ध है। इसके अलावा यात्री ट्रेन की रीयल-टाइम लोकेशन, कोच की स्थिति और प्लेटफ़ॉर्म नंबर की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऐप के जरिए यात्रा के दौरान सीट पर भोजन मंगवाने और किसी भी समस्या की शिकायत तुरंत दर्ज करने की सुविधा भी है।जम्मू विश्वविद्यालय सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में लगभग 500 छात्रों और शिक्षकों को ऐप के उपयोग और लाभों के बारे में जानकारी दी गई। नोटिस बोर्ड पर पंपलेट चिपकाए गए और छात्रों में वितरित किए गए। वरिष्ठ मंडल वाणिय प्रबंधक ने बताया कि यह ऐप आधुनिक डेटा एनालिटिक्स और सुरक्षा मानकों के साथ विकसित किया गया है ताकि यात्रा पूरी तरह से पेपरलेस और निर्बाध हो। रेलवे मंडल ने यात्रियों से अपील की कि अधिक से अधिक लोग रेलवन ऐप का उपयोग करें और अपने सह यात्रियों को भी इसके बारे में जागरूक करें।

## बिश्नाह में दुष्कर्म मामले पर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

**जम्मू, 17 फ़रवरी (हि.स.)।** बिश्नाह में हाल ही में सामने आए दुष्कर्म मामले को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' अभियान की इंचार्ज रितिका की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने दोषी को फांसी देने की मांग को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा की पदाधिकारियों ने कहा कि समाज में बेटियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और इस प्रकार के जघन्य अपराधों के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से त्वरित जांच और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

## जम्मू संभाग के देवी पिंडी तीर्थ स्थल को दोबारा खोलने की घोषणा

**कटरा, 17 फ़रवरी (हि.स.)।** जम्मू कश्मीर के प्रसिद्ध देवी पिंडी तीर्थ स्थल जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए खास खबर सामने आई है। दरअसल जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल द्वारा सोमवार को जम्मू संभाग के देवी पिंडी तीर्थ स्थल को दोबारा खोलने की घोषणा की गई है।

इस घोषणा के बाद से स्थानीय लोगों में रोजगार में इजाफा होने में काफी उम्मीद है। तो वही मां वैष्णो देवी के दर्शनों के बाद श्रद्धालु देवी पिंडी का भी रुख करते नजर आ रहे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि सरकार को इस स्थल पर सुविधाओं को बढ़ावा देना चाहिए ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु मां वैष्णो देवी के दर्शनों के बाद इस स्थल की और रुख भी कर सके। आपको बता दें कि, देवी पिंडी जम्मू के कटरा के पास एक शांत और प्राचीन तीर्थ स्थल है जो माता वैष्णो देवी से ही जुड़ा माना जाता है। यहाँ महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती पिंडी रूप में विराजमान हैं।

## नेशनल हाईवे पर ब्लैक स्पॉट खत्म करने की तैयारी, डीसी कठुआ ने की समीक्षा बैठक

**कठुआ, 17 फरवरी (हि.स.)।** डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने जिले से गुजरने वाले नेशनल हाईवे पर चिन्हित दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट्स की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने और आवश्यक सुधार कार्यों के लिए विस्तृत प्रस्ताव उच्च अधिकारियों तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को भेजने पर चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि जिले में नेशनल हाईवे के 39 किलोमीटर हिस्से पर विस्तृत निरीक्षण और तकनीकी मूल्यांकन किया गया है। इस दौरान दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों, संरचनात्मक कमियों, ट्रैफिक प्रबंधन की खामियों और अन्य जोखिम वाले स्थानों की पहचान की गई। समिति ने विशेष रूप से क्रॉसिंग, जंक्शन, लिंक रोड, मर्जिंग प्वाइंट, सुरंगों और हाई-स्पीड कॉरिडोर जैसे संवेदनशील स्थानों पर ट्रैफिक चैनलाइजेशन, क्रैश बैरियर लगाने और पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

अल्पकालिक उपायों में रेट्रो-रिफ्लेक्टिव साइन बोर्ड, रोड मार्किंग, स्पीड कंट्रोल उपाय, चेतावनी बोर्ड और ब्लाइंड कर्व पर दृश्यता बढ़ाने के सुझाव दिए गए, जबकि दीर्घकालिक समाधान के तहत सड़कों का चैड़ीकरण, सर्विस लेन निर्माण, शोल्डर मजबूत करने और जंक्शनों का पुनः डिजाइन करने पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि फील्ड रिपोर्ट, तकनीकी जानकारी और फोटो दस्तावेजों के साथ एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर जल्द उच्च अधिकारियों को भेजा जाए, ताकि सड़क सुरक्षा सुधार कार्यों को मंजूरी मिल सके। उल्लेखनीय है कि पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है, जिसमें आरटीओ, ट्रैफिक पुलिस और एनएचएआई के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह समिति ब्लैक स्पॉट्स का अध्ययन कर दुर्घटनाओं को कम करने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपायों की सिफारिश करेगी।

## भारत-अमेरिका व्यापार समझौता किसानों के लिए खतरा : भारत प्रिय

**जम्मू, 17 फ़रवरी (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) किसान विभाग के चेयरमैन भारत प्रिय ने प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर गहरी चिंता जताते हुए इसे किसानों, एमएसएमई और देश की आर्थिक संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा बताया है। सांबा में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि मौजूदा स्वरूप में यह समझौता देश की कृषि अर्थव्यवस्था और जम्मू-कश्मीर की नाजुक आर्थिक संरचना पर दूरगामी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

भारत प्रिय ने कहा कि यदि भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी कृषि उत्पादों को बिना सख्त सुरक्षा प्रावधानों के भारतीय बाजार में प्रवेश दिया गया तो स्थानीय किसानों के लिए प्रतिस्पर्धा करना असंभव हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि जहां अमेरिकी किसानों को बड़े पैमाने पर सब्सिडी और आधुनिक संसाधनों का लाभ मिलता है, वहीं भारतीय किसान बढ़ती लागत, मौसम की अनिश्चितता और सीमित एमएसपी कवरेज से जूझ रहे हैं।

उन्होंने विशेष रूप से कश्मीर की बागवानी फसलों—सेब, नाशपाती, बादाम, अखरोट, चेरी और केसर—पर संभावित असर की ओर ध्यान दिलाया। उनका कहना था कि आयातित फल और ड्राई फ्रूट बाजार में आने से स्थानीय उत्पादों की कीमतें गिरेंगी और घाटी के लाखों बागवानों को नुकसान होगा। इसके अलावा पश्मीना शॉल, कालीन, पेपर माशे, लकड़ी की नक्काशी और हथकरघा जैसे पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योग भी सस्ते विदेशी उत्पादों से प्रभावित हो सकते हैं।

भारत प्रिय ने डेयरी, पोल्ट्री और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर पर भी खतरे की आशंका जताई और बीज पेटेंट व डिजिटल व्यापार से जुड़े प्रावधानों पर सवाल उठाए। उन्होंने समझौते को अंतिम रूप देने से पहले किसान संगठनों और जम्मू-कश्मीर के प्रतिनिधियों से व्यापक परामर्श की मांग की। इस मौके पर जेकेपीसीसी के उपाध्यक्ष याहपाल कुंडल ने भी केंद्र सरकार से क्षेत्रीय हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

## कठुआ में एचएडीपी की समीक्षा-डीसी ने योजनाओं के शत-प्रतिशत लाभ, ट्रैकिंग और पोर्टल सुधार पर दिया जोर

**कठुआ, 17 फरवरी (हि.स.)।** डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने डीसी कार्यालय परिसर में होलिस्टिक एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम की प्रगति की समीक्षा बैठक की। बैठक में योजना के विभिन्न घटकों, लाभार्थियों की कवरेज, भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धियों तथा किसान साथी पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की स्थिति का विभागवार आकलन किया गया।

समीक्षा के दौरान बीज उत्पादन, विशिष्ट एवं विदेशी सब्जियों के प्रोत्साहन, कृषि विपणन, मधुमक्खी पालन, रेशम उत्पादन, मोटे अनाज, कृषि मशीनीकरण तथा मशरूम उत्पादन सहित अन्य घटकों की प्रगति पर चर्चा की गई। इसके अलावा डेयरी, पोल्ट्री, मत्स्य पालन, भेड़ पालन, फ्लोरीकल्चर, एकीकृत खेती, वर्षा आधारित कृषि और चारा विकास जैसे संबद्ध क्षेत्रों की स्थिति भी जांची गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभिन्न योजनाओं के तहत प्राप्त आवेदनों की प्रभावी ट्रैकिंग सुनिश्चित करें और लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करें।

उन्होंने पोर्टल पर अपात्र आवेदनों को हटाकर डेटा की पारदर्शिता बनाए रखने तथा किसान खिदमत समूहों को सक्रिय कर योजनाओं का अधिकतम लाभ किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने बैंकिंग संस्थानों के साथ बेहतर समन्वय, फील्ड स्तर पर निगरानी और जनसंपर्क बढ़ाकर किसानों की आय और आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने के निर्देश भी दिए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी और बैंक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## विधानसभा ने श्रद्धांजलि अर्पित की; दो मिनट का रखा गया मौन

**जम्मू, 17 फ़रवरी (हि.स.)।** जम्मू और कश्मीर विधानसभा ने मंगलवार को जम्मू में चल रहे सत्र के दौरान पूर्व मंत्री पीरजादा गुलाम अहमद शाह को श्रद्धांजलि अर्पित की। अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने पूर्व मंत्री के दुखद निधन का उल्लेख किया जिसके बाद सदन के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा। इसी बीच जम्मू प्रांत के पूर्व एमएलसी और उपाध्यक्ष श्री बृज मोहन शर्मा के दुखद और असामयिक निधन पर भी शोक व्यक्त किया गया। शोक संदेश में कहा गया, पूर्व एमएलसी और जम्मू प्रांत के पूर्व एमएलसी और उपाध्यक्ष श्री बृज मोहन शर्मा के दुखद और असामयिक निधन से हम स्तब्ध हैं।


**Union Territory of Jammu & Kashmir**
**Office of the Child Development Project Officer Poshan, Kalakote**

**Subject:-Tentative Provisional Select list of Sanginis(Anganwadi Workers) of Poshan Project Kalakote in Pursuant to advertisement Notice No.01 of 2026,Dated:-06-01-2026- Inviting of Objections thereof.**

**NOTIFICATION**

**Whereas**, vide advertisement notification No.01 of 2026,Dated:-06-01-2026,02(Two) number of posts of Sanginis(Anganwadi Workers) were advertised for filling up of the vacant posts in Poshan Project Kalakotein pursuance of HR Policy as notified Vide Govt. order No:-222- JK(SWD of 2022, dated:-30-11-2022 read with Govt. Order No.103-JK(SWD) of 2023, dated:-28-04-2023; and
**Whereas**,07number of applications were received for the Vacant posts of Sanginis(Anganwadi Worker), for various Anganwadi centers in different panchayats of Poshan Project Kalakote, as on last date of receipt of application i.e.03-02-2026; and
**Whereas**, after scrutiny of applications as per eligibility conditions as contained in the aforementioned advertisement notification, in accordance with HR policy referred above, the tentative Provisional merit list alongwith select list has been framed detailed as Annexure"A"&"B".

Now, therefore, objections if any with regard to merit/ residential status/Qualification/Marks/Date of Birth etc are hereby called in writing from general public/ applicants of the concerned ward/ Panchayats against the tentative merit /select List (Annexure "A" & "B")within ten days, from the date of issuance of this notice, failing which no claim shall be entertained and the list shall be treated as final.

**Sd/-**
**(Hanan Shawal)JKAS**
**Child Development Project Officer**
**Poshan ProjectKalakote**
**(Member Secretary Selection Committee)**

**DIP/J-11655/25**
**Dtd: 17-2-2026**

No:-CDPO/Poshan/KKT/2025-26/ Dated:-___/02/2026.

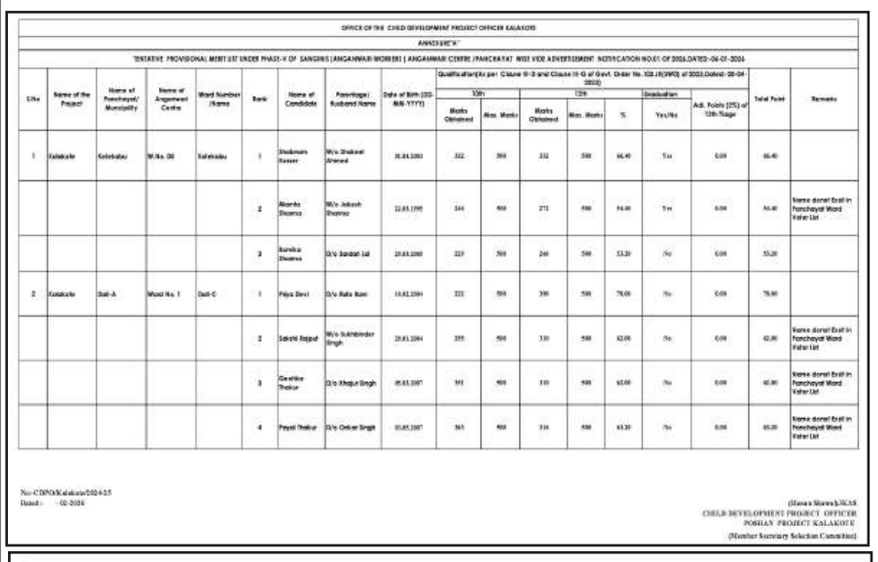

OFFICE OF THE CHILD DEVELOPMENT PROJECT OFFICER KALAKOTE
ANNEXURE"A"
TENTATIVE PROVISIONAL MERIT LIST UNDER PHASE-V OF SANGINIS (ANGANWADI WORKERS) ANGANWADI CENTRE /PANCHAYAT WISE VIDE ADVERTISEMENT NOTIFICATION NO.01 OF 2026,DATED:-06-01-2026

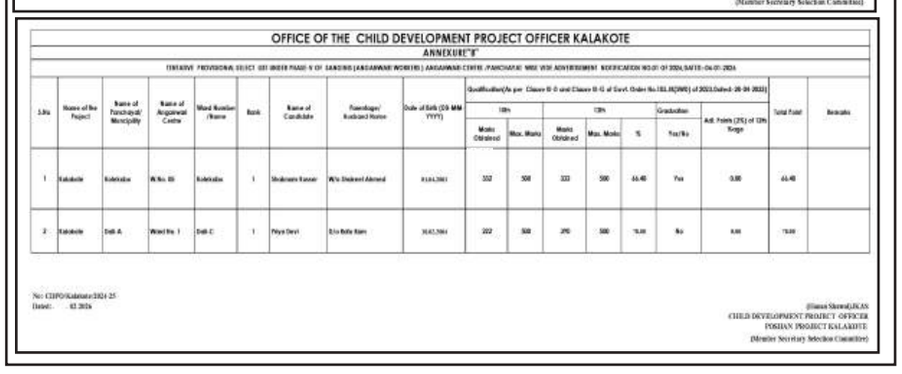

OFFICE OF THE CHILD DEVELOPMENT PROJECT OFFICER KALAKOTE
ANNEXURE"B"
TENTATIVE PROVISIONAL SELECT LIST UNDER PHASE-V OF SANGINIS (ANGANWADI WORKERS) ANGANWADI CENTRE /PANCHAYAT WISE VIDE ADVERTISEMENT NOTIFICATION NO.01 OF 2026,DATED:-06-01-2026

**GOVERNMENT OF INDIA UNION TERRITORY JAMMU & KASHMIR**
**Office of Executive Engineer, Mechanical Division, Rajouri**
**Tele-fax: +91-1962-295093**

**Notice Inviting Tender**

On be half of the Lt. Governor of J&K,Bids are invited by Executive Engineer, Mechanical and Hospital Division Rajouri by e-Tendering mode from OEM/reputed firms/ contractors for undertaking the work as per SBD/BOQ:

| Sr. No. | e-NIT No. | Description of Work | Cost of tender document (In Rs) | Time of completion | Tender Opening Authority |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | MHDR/Tech/ 2025-26/78 Dated: 12/02/2026 Due on: 21/02/2026 | Providing, installation, Testing and Commissioning of Dialysis Units including Ro Plants, UPS, Plumbing and allied civil works at CHC Thanamandi under Pradhan Mantri National Dialysis Programme (PMNDP) | 1000.00 | 45 Days | Executive Engineer Mechanical & Hospital Division, Rajouri |
| 2. | MHDR/Tech/ 2025-26/79 Dated: 12/02/2026 Due on: 21/02/2026 | Providing, installation, Testing and Commissioning of Dialysis Units including Ro Plants, UPS, Plumbing and allied civil works at CHC Kandi under Pradhan Mantri National Dialysis Programme (PMNDP) | 1000.00 | 45 Days | |
| 3. | MHDR/Tech/ 2025-26/80 Dated: 13/02/2026 Due on: 20/02/2026 | Repair and Maintenance of Departmental Vehicle No. JK11A – 4621 (Truck) and JK11H -1171(Pick Up). | 500.00 | 07 days | |
| 4. | MHDR/Tech/ 2025-26/80 Dated: 13/02/2026 Due on: 20/02/2026 | Construction of Rear Boundary wall of guest house and allied works in Mechanical and Hospital Division, Rajouri | 200.00 | 15 days | |

The e-NIT consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, terms &conditions, Bill of Quantities can be seen / downloaded from the J&K Govt. websitewww. Jktenders.gov.in
All other information regarding the e-NIT can be had from the office of the undersigned on any working day during the working hours before due date.

**DIP/J-11651/25**
**Dtd: 17-2-2026**

**Sd/-**
**Executive Engineer**
**Mechanical and Hospital Division**
**Rajouri**

# संपादकीय

## नियमितीकरण अब भी मृगतृष्णा!

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जम्मू-कश्मीर में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने वर्षों के दौरान लगभग सभी प्रकार की सरकारें देखी हैं, फिर भी किसी ने उनके साथ न्याय नहीं किया। विभिन्न राजनीतिक नामों के तहत बनी सरकारें—यहां तक कि केंद्र के नियंत्रण वाली एलजी प्रशासन भी—इस वर्ग की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रही हैं। ये कर्मचारी आज भी निरंतर अस्थिरता और मानसिक तनाव के बीच जीवन यापन कर रहे हैं।

वर्तमान सरकार, जिसका नेतृत्व नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता Omar Abdullah कर रहे हैं, भी अपने पूर्ववर्तियों की राह पर चलती दिखाई दे रही है। सरकार भले ही शीघ्र समाधान का आश्वासन दे रही हो, लेकिन वास्तविकता में नियमितीकरण के लंबे समय से लंबित मुद्दे के समाधान को लेकर कोई ठोस तत्परता नजर नहीं आती। यद्यपि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है, किंतु किसी स्पष्ट समय-सीमा का अभाव गंभीर चिंताओं को जन्म देता है। ऐसा प्रतीत होता है कि समिति का गठन केवल समय निकालने के उद्देश्य से किया गया है और निकट भविष्य में कोई ठोस परिणाम सामने आने की संभावना कम है।

इसी संदर्भ में Jammu and Kashmir सरकार ने विधान सभा को सूचित किया है कि विभिन्न विभागों में कुल 1,00,501 कैजुअल, दैनिक वेतनभोगी तथा अन्य श्रेणी के कर्मचारियों का आधार-आधारित बायोमेट्रिक पहचान और कौशल प्रोफाइलिंग के माध्यम से पंजीकरण किया गया है। यह जानकारी चालू सत्र के दौरान सदन में लिखित उत्तर के रूप में प्रस्तुत की गई, जो दो दशक से अधिक समय से कार्यरत कर्मचारियों के नियमितीकरण से संबंधित तारांकित प्रश्नों के उत्तर में दी गई।

रिपोर्ट के अनुसार पंजीकृत कर्मचारियों में 69,696 कैजुअल लेबर, 8,534 मौसमी श्रमिक, 8,836 दैनिक वेतनभोगी/वर्क-चार्ज कर्मचारी, 3,092 अंशकालिक कर्मचारी, 156 सीआईसी ऑपरेटर, 5,757 एनवाईसी हमाल/चालक (एफसीएस एंड सीए विभाग), 1,929 अस्पताल विकास निधि के अंतर्गत कार्यरत व्यक्ति, 2,153 अंशकालिक सफाईकर्मी तथा राजस्व विभाग के 348 सेटलमेंट असिस्टेंट शामिल हैं। क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार 57,390 कर्मचारी कश्मीर संभाग से तथा 40,077 जम्मू संभाग से संबंधित हैं।

मुद्दे की जांच के लिए गठित समिति को विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों, सेवा नियमों, वित्तीय प्रभावों और कानूनी पहलुओं का आकलन कर एक व्यापक कार्ययोजना प्रस्तुत करने का दायित्व सौंपा गया है। सरकार का कहना है कि यह मामला संवैधानिक प्रावधानों और सार्वजनिक रोजगार से संबंधित न्यायिक निर्देशों के अनुपालन सहित कानूनी, प्रशासनिक और वित्तीय जटिलताओं से जुड़ा है, और समिति की सिफारिशों के बाद ही उचित कार्रवाई की जाएगी।

यह स्वीकार किया जा सकता है कि समिति के समक्ष कई बाधाएं हैं, किंतु सबसे अधिक आवश्यकता एक स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित करने की है, ताकि प्रभावित दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों में आशा की किरण पुनर्जीवित हो सके। सरकार के टालमटोल रवैये के चलते यह सुरंग अंतहीन प्रतीत हो रही है, क्योंकि किसी को नहीं मालूम कि समिति अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें कब प्रस्तुत करेगी। यह अनिश्चितता न तो उचित है और न ही स्वीकार्य।

# बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत एक अच्छा संकेत

बीएनपी अपने नरम रवैये और एक स्थिर सरकार देने पर ज़ोर देने के आधार पर लोगों का समर्थन पाने में कामयाब रही है। लोग लगातार उथल-पुथल से तंग आ चुके थे, जिससे उनकी रोज़ी-रोटी पर असर पड़ रहा था। वे एक समझदार नेता की तलाश में थे जो सच में प्रशासन की परवाह करे। बीएनपी के मौजूदा प्रमुख और मरहूम पूर्व प्रधानमंत्री खालिदिया के बेटे तारिक रहमान ने अब तक समझदारी दिखाई है।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए राष्ट्रीय चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की बड़ी जीत न सिर्फ दक्षिण एशिया की भूराजनीति में एक अच्छी बात है, बल्कि यह भारत और उसके पूर्वी पड़ोसी देश के बीच आपसी रिश्तों के लिए भी अच्छा संकेत है। बीएनपी ने नई संसद में कुल 300 सीटों में से दो-तिहाई से ज़्यादा सीटें हासिल कीं, जिसमें उसने अपने कट्टर रवैये के लिए जानी जाने वाली मुख्य विरोधी जमात-ए-इस्लामी को हराया, जो बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ-साथ भारत में नरेंद्र मोदी की सरकार के लिए भी एक बड़ी राहत है।ताज़ा खबरें बताती हैं कि जिन 299 सीटों पर चुनाव हुए, उनमें से बीएनपी को 210, जमात के नेतृत्व वाले गठबंधन को 76 और दूसरों को सात सीटें मिलीं। बीएनपी के लिए, यह अब तक हुए आम चुनावों में सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा है। इससे पहले, 2001 के चुनावों में, बीएनपी ने 193 सीटें पाकर सरकार बनाई थी, जो 2026 के चुनावों तक उसकी सबसे ज़्यादा सीटें थीं, जिसने इस चुनाव में जीत का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। साथ ही, जमात ने चुनावों में 76 सीटें पाकर खुद को राष्ट्रीय राजनीति के मुख्य मंच पर पहुंचा दिया है। इसका पिछला सबसे अच्छा प्रदर्शन 1991 के चुनावों में सिर्फ 18 सीटें थीं।12 फरवरी के चुनावों से कई बड़े सबक मिले हैं, जिन्हें कई लोगों ने 2024 की जुलाई क्रांति के बाद से %ऐतिहासिक% कहा है, जिसके कारण 5 अगस्त, 2024 को शेख हसीना सरकार चली गई थी। यह मुख्य रूप से छात्रों द्वारा तैयार किया गया था। छात्रों के समूह ने अपनी पार्टी, नेशनल सिटिज़न्स पार्टी (एनसीपी) बनाई और जमात-ए-इस्लामी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा। केवल दो बड़े गठबंधन थे। बेशक, यह याद रखना होगा कि 1972 से ज़्यादातर सालों तक सत्तारूढ़ पार्टी रही अवामी लीग को 2026 के आम चुनावों में हिस्सा लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया था।आइए, 12 फरवरी के चुनावों से मिली बड़ी बातों पर नज़र डालते हैं। सबसे पहले, चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हुए। मतदान 60प्रतिशत को पार कर गया और लोगों ने ऐसे जोश के साथ वोट किया जैसे वे किसी त्योहार का मज़ा ले रहे हों। यूरोपीय पर्यवेक्षक खुश थे कि चुनाव बिना किसी भेदभाव के हुए। चुनाव अभियान के दौरान दो विरोधी गुटों के बीच तनाव वाली दुश्मनी होने के बावजूद कुछ ही झगड़े हुए। यह देखते हुए कि मतदाताओं की संख्या 12 करोड़ से ज़्यादा थी, कुछ पार्टियों के बीच हुई झड़पें मामूली कही जा सकती हैं। इसलिए, यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के लिए लोकतांत्रिक माहौल में चुनाव कराना एक बड़ी कामयाबी थी।दूसरा, बीएनपी अपने नरम रवैये और एक स्थिर सरकार देने पर ज़ोर देने के आधार पर लोगों का समर्थन पाने में कामयाब रही है। लोग लगातार उथल-पुथल से तंग आ चुके थे, जिससे उनकी रोज़ी-रोटी पर असर पड़ रहा था। वे एक समझदार नेता की तलाश में थे जो सच में प्रशासन की परवाह करे। बीएनपी के मौजूदा प्रमुख और मरहूम पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा ज़िया के बेटे तारिक रहमान ने अब तक समझदारी दिखाई है। ज़बरदस्त जीत के बावजूद, उन्होंने अपने समर्थकों से कोई विजय जुलूस न निकालने की अपील की है। जमात समर्थकों के साथ टकराव से बचने के लिए यह एक अच्छा कदम है, जो मतदान में गड़बड़ी की बात कर रहे हैं।तीसरा, जमात आखिरकार बांग्लादेश की राजनीति में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसकी मौजूदा ताकत अब बीएनपी के सरकार बनाने के बाद उन्हें संसद में चुनौती देने के लिए काफी है। उम्मीद है कि जमात अपना जनाधार बनाए रखने के लिए विपक्षी पार्टी के तौर पर ज़्यादा भारत-विरोधी रुख अपनाएगी। इसका मतलब है कि बीएनपी नेतृत्व भारत के साथ समझौता करने में बहुत अच्छा रवैया अपनाने में रुकावट महसूस करेगी। भारत सरकार के साथ इसकी बातचीत हमेशा जमात की कड़ी नज़र में रहेगी।चौथा, जुलाई क्रांति के बाद बांग्लादेश की राजनीति ने बड़ी उम्मीदें जगाई थीं कि बराबरी और इज्ज़त वाला एक नया बांग्लादेश बनेगा। वो उम्मीदें टूट गई हैं। एनसीपी, जो जमात के साथ मिलकर 30 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, उसे वोटरों ने उसे अस्वीकार कर दिया है। विस्तार से विवरण अभी प्राप्त नहीं हैं, लेकिन रूझान साफ हैं। बांग्लादेश की राजनीति का पुराना तौर-तरीका वापस आ गया है, फर्क सिर्फ इतना है कि अवामी लीग अभी खेल में नहीं है। बांग्लादेश दो-पार्टी प्रणाली पर वापस आ गया है, लेकिन प्रतिबंधित अवामी लीग की गैरमौजूदगी में अब बीएनपी और जमात हैं।भारत के लिए, तारिक रहमान का प्रधान मंत्री बनना दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने का सबसे अच्छा विकल्प है, जो अगस्त 2024 में अवामी लीग सरकार के हटने के बाद डॉ. मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के तहत पटरी से उतर गए थे। भारतीय नीति बनाने वालों ने पिछले 18 महीनों में बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों में बहुत सारी गलतियां की हैं। सबसे नई गलती भाजपा के कहने पर बीसीसीआई का केकेआर से बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल में खेलने से रोकने का फैसला था। तब तक, भारत-विरोधी भावनाएं कम थीं। चुनाव अभियान चल रहा था। भारत इस गलती से बच सकता था। लेकिन, ऐसी गलती करने से बांग्लादेश में भारत के खिलाफ माहौल और बढ़ गया, जिसमें सभी राजनीतिक पार्टियां शामिल हैं।

यह एक तरह का छोटी सोच वाला फैसला था जिससे भारत को बचना चाहिए था। अब भारत की मोदी सरकार को बहुत नरम तरीके से उसे ठीक करने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। तारिक रहमान को भी धीरे-धीरे आगे बढ़ना होगा और वह निश्चित रूप से शेख हसीना के भारतीय धरती से ढाका लौटने का मुद्दा उठाएंगे। जमात नए बीएनपी प्रधानमंत्री को शर्मिंदा करने के लिए अपना पूरा अभियान इसी पर केन्द्रित करेगी। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत के पुराने दोस्त, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को छोड़े बिना इस मुद्दे से निपटने के तरीके खोजने होंगे। मोदी ने बीएनपी की शानदार जीत पर तारिक रहमान को बधाई देने वाले पहले प्रधानमंत्री बनकर और एक लोकतांत्रिक समावेशी बांग्लादेश बनाने के लिए उनकी सरकार के साथ सहयोग करने की इच्छा जताकर अच्छा काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी को अब नई बीएनपी सरकार की मदद के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

# मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

**डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा**

कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है। अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंडी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है। इस तरह की घटनाएं देश-दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऐसा नहीं है कि ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के बच्चे या युवा आ रहे हों अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो-चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है। हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क से संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर-फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया। दरअसल, ऑनलाइन गेम मनोस्थिति को इस कदर प्रभावित कर देते हैं कि उठते-बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरु किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं। दरअसल, देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी। 2022 के बाद ऑनलाइन गेमों की बाढ़ सी आ गई और भारत ही नहीं दुनिया के देशों में गेमिंग के चलते होने वाले दुष्प्रभावों से हिला कर रख दिया है। देखा जाए तो जहां तक बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग के चस्के का प्रमुख कारण माना जाए तो इसे कोविड के साइड इफेक्ट के रुप में देखा जा सकता है। कोविड के चलते बच्चों की जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाएं शुरु हुई और जिस तरह से आज भी इसे देखा जा सकता है तो बच्चों के हाथों में एंड्रायड़ फोन आने और ऑनलाइन कक्षाओं के बाद स्क्रिन की अवधि बढ़ने और आकर्षक भ्रमित करने वाले गेमों से बच्चों के जुड़ने से हालात दिन-प्रतिदिन खराब ही हुए हैं। इस लत में बच्चे ही नहीं अपितु युवा भी आते जा रहे हैं। ब्लू व्हेल चैलेंज, पबजी, चोकिंग गेम, फार्टनाइट, फ्री फायर, पपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, एविल नन, आइसक्रीम आदि गेम ने सर्वाधिक प्रभावित किया है। ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। वाइल्ड हंट, विचर 3, होरिजोन जैसे इस तरह के अनेक गेम है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। इसी तरह से इमर्सिंग गेमों में तकनीक और ग्राफिक्स के माध्यम से यर्थाथ दुनिया जैसे हालात दिखाते हैं। जीरो डॉन, रेड डेड, फॉलआउट और इसी तरह के अनेक गेम उपलब्ध है। खतरनाक तथ्य यह है कि 10-12 से लेकर 40 वर्ष तक के लोग इनके ज्यादा शिकार हो रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया की बात करें तो यह अपने आप में बड़ा व्यापार है।

2024 में 3.7 बिलियन के कारोबार को माना जा रहा है। साल 2029 तक इसके 9.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यानी 2029 तक लगभग तीन गुणा बढ़ जाएगा। सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि ऑनलाइन गेम के कारण भले ही मौत के समाचार कभी कभार ही सामने आते हो पर इससे ज्यादा गंभीरता यह है कि मनोवैज्ञानिक असर अधिक दिखाई देने लगा है। ऑनलाइन गेम के लत वालों में डर, अकेलापन, अनिंद्रा, खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकार आम होते जा रहे हैं। कुंठा, आक्रोश, संवेदनहीनता, तनाव आम होते जा रहे हैं। समय आ गया है जब ऑनलाइन गेमिंग की समस्या का हल खोजा ही जाना चाहिए। अन्यथा हालात दिन-प्रतिदिन बद से बदतर ही होंगे। ऑनलाइन गेमिंग बनाने वालों को तो एक मात्र उद्देश्य अधिक से अधिक पैसा कमाना है उन्हें इसके दुष्प्रभावों से कोई लेना-देना नहीं होता। हालांकि भारत सहित कुछ देशों की सरकारें सक्रिय हुई है। पर मनोवैज्ञानिकों को भी आगे आकर कोई समाधान खोजना होगा वहीं अभिभावकों, परिजनों व समाज का भी दायित्व हो जाता है। परिजनों को निरंतर निगरानी रखने, मोबाइल देखने की समय सीमा तय करने, किसी और रचनात्मक कार्य में लगाने, सामाजिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय करने और परंपरागत आउट डोर गेम्स के प्रति रुचि पैदा करने के ठोस प्रयास करने ही होंगे। सरकार को भी मौत की राह में ले जाने वाले गेम फॉरमेट पर रोक लगाने के सख्त कदम उठाने होंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

# किशोरियों में बढ़ता फ्रेंड विद बेनिफिट कल्चर

**-कैलाश चन्द्र**

भारत के सामाजिक परिदृश्य में एक बेचैन कर देने वाला बदलाव तेजी से उभर रहा है और उसकी सबसे मार्मिक झलक उस घटना में दिखाई देती है जिसमें 15 वर्ष की एक छात्रा गर्भवती पाई गई। डॉक्टर ने जब उससे पूछा कि बच्चा किससे हुआ है, तो उसका उत्तर था, पता नहीं कई थे।

यह घटना कोई सनसनीखेज अपवाद नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गहरी और अनदेखी सामाजिक सच्चाई का संकेत है। उस किशोरी ने स्वीकार किया कि महंगे फोन, रिचार्ज, आउटिंग और कूल लाइफस्टाइल की चाह में वह कई लड़कों के साथ फ्रेंड विद बेनिफिट जैसे संबंधों में रही। उसके शब्द सिर्फ एक लड़की की व्यक्तिगत त्रासदी न होकर उस परिघटना का रूपक हैं जो भारत के 13 से 18 वर्ष आयु वर्ग में तेजी से आकार ले रही है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2023 के आंकड़ों के अनुसार नाबालिगों पर होने वाले यौन अपराधों में अधिकांश अपराधी परिचित होते हैं।

इनमें मित्र, पड़ोसी, रिश्तेदार, ऑनलाइन साथी और स्कूल-कॉलेज के परिचित शामिल रहते हैं। यह एक असहज सत्य की ओर संकेत करता है कि खतरा किसी बाहरी व्यक्ति से नहीं, बल्कि बच्चों की उसी दुनिया से आता है जिसे हम सुरक्षित मानते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के निष्कर्षों में भी यह संकेत मिलता है कि शहरी भारत में किशोरियों के शारीरिक संबंधों की प्रथम आयु 13 से 15 वर्ष के बीच खिसक रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण एशिया अध्ययन के अनुसार 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग की बड़ी संख्या में लड़कियां इंटरनेट आधारित यौन सामग्री देखती हैं और वेब सीरीज तथा सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर संबंध बनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ये तथ्य बताते हैं कि यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि संरचनात्मक और बहुस्तरीय है। आज का किशोर भौतिक संसार से कम और वर्चुअल संसार से अधिक प्रभावित है। इंस्टाग्राम, रील्स, ओटीटी और डेटिंग एप्स अब मनोरंजन के साधन नहीं रहे, बल्कि किशोर मन की संरचना को प्रभावित करने वाले प्रमुख माध्यम बन चुके हैं।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के अध्ययन बताते हैं कि 13 से 17 वर्ष की आयु में मस्तिष्क का प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पूरी तरह विकसित नहीं होता। इसी कारण आवेग नियंत्रण कम रहता है और जोखिम लेने की प्रवृत्ति अधिक होती है। जब ऐसे मस्तिष्क पर रोज़ डिजिटल उत्तेजना की बाढ़ पड़ती है, तो परिणाम सीमाओं के टूटने, नैतिकता के धुंधलाने और जोखिमपूर्ण संबंधों के सामान्यीकरण के रूप में सामने आते हैं।

लगातार मिल रहे लाइक्स, व्यूज और मैसेज किशोरों के मन में त्वरित संतुष्टि की आदत पैदा करते हैं और धीरे-धीरे रिश्ते अनुभव, शरीर वस्तु और सीमाएँ पुरानी अवधारणाएँ बनती जाती हैं। यही वह डिजिटल सबवर्शन है जो पहले मन को प्रभावित करता है और फिर व्यवहार को अपने वश में कर लेता है।

परिवार की भूमिका भी इस बदलाव में महत्वपूर्ण हो गई है। शहरों में कई माता-पिता यह मान बैठे हैं कि बच्चों को महंगी सुविधाएँ देना ही पालन-पोषण का अंतिम रूप है, जबकि सुविधा देना और उपस्थित रहना दोनों अलग बातें हैं। जब संवाद कम हो जाता है तो उसके स्थान पर पीयर ग्रुप, इन्फ्लुएंसर संस्कृति, ओटीटी की कहानियां और सोशल मीडिया की छवियां बच्चों के मूल्य तय करने लगती हैं।

जब 15 वर्ष का बच्चा महंगा फोन लिए घूमता है और माता-पिता उसकी पृष्ठभूमि या स्रोत पर सवाल नहीं करते, तो यह अनदेखी आगे चलकर गंभीर परिणामों का कारण बन सकती है। आज का परिवार प्रोवाइडिंग पेरेंटिंग की ओर झुक गया है, जहाँ धन उपलब्ध है लेकिन भावनात्मक उपस्थिति, मार्गदर्शन और मूल्य निर्माण का अभाव है। यही अनुपस्थिति बच्चों को डिजिटल जंगल में अकेला छोड़ देती है।

इस प्रवृत्ति का सबसे गहरा असर किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। अनेक अध्ययनों में यह सामने आया है कि इस प्रकार की संबंध संस्कृति आत्मसम्मान में गिरावट, अवसाद, चिंता, इमोशनल नंबनेस, सेल्फ वर्थ के टूटने और आइडेंटिटी क्राइसिस जैसी स्थितियाँ पैदा करती है। धीरे-धीरे संबंधों का एक लेन-देन मॉडल विकसित होने लगता है, जहाँ किशोरियां स्वयं को वस्तु की तरह देखने लगती हैं। किसी किशोरी का यह न जान पाना कि गर्भ किससे है, ये सिर्फ असावधानी नहीं बल्कि भावनात्मक विखंडन की चरम अवस्था को दर्शाता है, जहाँ शरीर, भावनाएँ और पहचान एक-दूसरे से कटने लगते हैं।

उपभोक्तावाद ने भी इस स्थिति को गहराई दी है। बाजार ने किशोरों को अपना सबसे बड़ा उपभोक्ता वर्ग बना लिया है। उनकी असुरक्षाओं को लक्ष्य बनाकर उन्हें यह विश्वास दिलाया जाता है कि उनकी कीमत महंगे फोन, फैशनेबल कपड़ों और सोशल मीडिया लाइक्स में छिपी है। जब पहचान वस्तुओं के सहारे बनने लगती है, तब शरीर, संबंध और नैतिकता भी बाज़ार की मुद्रा में बदल जाते हैं। यह उपभोक्तावाद का वह चेहरा है जो आधुनिक किशोरावस्था को भीतर तक प्रभावित कर रहा है।

फ्रेंड विद बेनिफिट जैसी अवधारणाएँ पश्चिमी समाज में भी विवादित रही हैं और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मानी गई हैं, लेकिन भारत में यह प्रवृत्ति बिना किसी सांस्कृतिक फिल्टर, पारिवारिक संवाद या स्कूल आधारित मार्गदर्शन के प्रवेश कर गई। इसका टकराव भारतीय सामाजिक संरचना से होकर रिश्तों के विघटन, सामूहिकता के क्षरण और मूल्य संक्रमण के रूप में सामने आ रहा है।

यदि 13 से 18 वर्ष आयु वर्ग में भावनात्मक टूटन, डिजिटल लत, यौनिक प्रयोगशीलता और नैतिक भ्रम इसी तरह बढ़ते रहे, तो इसका असर भविष्य के कार्यबल, सामाजिक स्थिरता, मानव संसाधन और सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ेगा। यह तो सभी स?वीकारेंगे ही कि राष्ट्र की शक्ति उसकी संख्या में न होकर उसकी युवा पीढ़ी की मानसिकता, अनुशासन और मूल्य संरचना में निहित होती है। यदि वही पीढ़ी दिशाहीन हो जाए, तब राष्ट्र की ऊर्जा भी दिशाहीन हो जाती है।

समाधान किसी एक संस्था के पास नहीं है, बल्कि यह चार स्तंभों के संयुक्त प्रयास से ही संभव है। परिवार में डिजिटल पेरेंटिंग को आवश्यक बनाना होगा, जहाँ फोन देना और निगरानी दोनों साथ हों। संवाद की पुनर्स्थापना हो और प्रतिदिन कुछ समय परिवार एक साथ बैठकर बातचीत करे। किशोरियों को सेल्फ वर्थ, सीमाएँ और स्वस्थ संबंधों के मूल्य सिखाए जाएँ। विद्यालयों में डिजिटल नैतिक शिक्षा और आयु-उपयुक्त सुरक्षा संबंधी वार्ता हो, साथ ही प्रशिक्षित काउंसलर्स की नियुक्ति भी की जाए। सरकार को एडल्ट प्लेटफॉर्म्स और डेटिंग एप्स पर कड़े आयु सत्यापन लागू करने चाहिए और ओटीटी पर किशोर संवेदनशील रेटिंग को प्रभावी बनाना चाहिए।

इसके साथ ही समाज स्तर पर जागरूकता अभियान, संवाद मंच और माता-पिता-किशोर कार्यशालाएँ आयोजित की जानी चाहिए, ताकि मूल्य निर्माण की प्रक्रिया फिर से मजबूत हो सके। आज यह स्थिति एक चेतावनी है। बच्चे भारत की वर्तमान नींव हैं। उन्हें सुरक्षित रखना, मानसिक रूप से सशक्त बनाना और मूल्य संपन्न बनाना ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

**परिवार की भूमिका भी इस बदलाव में महत्वपूर्ण हो गई है। शहरों में कई माता-पिता यह मान बैठे हैं कि बच्चों को महंगी सुविधाएँ देना ही पालन-पोषण का अंतिम रूप है, जबकि सुविधा देना और उपस्थित रहना दोनों अलग बातें हैं। जब संवाद कम हो जाता है तो उसके स्थान पर पीयर ग्रुप, इन्फ्लुएंसर संस्कृति, ओटीटी की कहानियां और सोशल मीडिया की छवियां बच्चों के मूल्य तय करने लगती हैं।**

**जब 15 वर्ष का बच्चा महंगा फोन लिए घूमता है और माता-पिता उसकी पृष्ठभूमि या स्रोत पर सवाल नहीं करते, तो यह अनदेखी आगे चलकर गंभीर परिणामों का कारण बन सकती है। आज का परिवार प्रोवाइडिंग पेरेंटिंग की ओर झुक गया है, जहाँ धन उपलब्ध है लेकिन भावनात्मक उपस्थिति, मार्गदर्शन और मूल्य निर्माण का अभाव है। यही अनुपस्थिति बच्चों को डिजिटल जंगल में अकेला छोड़ देती है।**

## रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनलः पडिक्कल का दोहरा शतक, स्मरण का शतक; जम्मू-कश्मीर की दमदार वापसी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय घरेलू क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबलों में दूसरे दिन बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों का जोरदार प्रदर्शन देखने को मिला।पहले सेमीफाइनल में लखनऊ में कर्नाटक ने अपने कप्तान देवदत्त पडिक्कल के शानदार दोहरे शतक और स्मरण रविचंद्रन के नाबाद शतक की बदौलत उत्तराखंड पर शिकंजा कस दिया। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में आकिब नबी की घातक गेंदबाजी के बाद अब्दुल समद और परस डोगरा की साझेदारी ने जम्मू-कश्मीर को बंगाल के खिलाफ मजबूती से वापस ला खड़ा किया। लखनऊ में खेले जा रहे सेमीफाइनल मुकाबले में कर्नाटक ने सपाट पिच का पूरा फायदा उठाते हुए दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 6 विकेट पर 689 रन बनाकर उत्तराखंड को बैकफुट पर धकेल दिया। कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 232 रन की पारी खेली। पहले दिन के 355/2 के स्कोर से आगे खेलते हुए करुण नायर और पडिक्कल ने तीसरे विकेट के लिए 129 रन जोड़े। नायर 60 रन बनाकर अभय नेगी का शिकार बने। इसके बाद पडिक्कल ने अपनी लय बरकरार रखते हुए सुबह के सत्र में दोहरा शतक पूरा किया।

## टी20 विश्व कपः इंग्लैंड ने इटली को 24 रन से हराकर सुपर 8 में बनाई जगह

**कोलकाता।** इंग्लैंड ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी इटली को 24 रन से मात देकर सुपर-8 में जगह बना ली। कोलकाता के ईडन गार्डन में खेले गए मुकाबले में विश्व कप में पदार्पण कर रही इटली ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंततः अनुभव का पलड़ा भारी रहा। 203 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इटली की शुरुआत बेहद खराब रही। जोफ्रा आर्चर ने पहले ही ओवर में एंथनी मोस्का और जेजे स्मट्स को पवेलियन भेजकर दबाव बना दिया। इसके बाद जेमी ओवर्टन ने हैरी मैनेंती को आउट कर इंग्लैंड की पकड़ मजबूत कर दी। हालांकि जस्टिन मोस्का और बेन मैनेंती ने चौथे विकेट के लिए तेज अर्धशतकीय साझेदारी कर मैच में जान फूंक दी। मैनेंती ने सिर्फ 22 गेंदों में टूर्नामेंट का अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया और 25 गेंदों पर 60 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनके आउट होते ही रनगति बढ़ने लगी और दबाव फिर इटली पर आ गया। आखिरी चार ओवर में 65 रन की जरूरत थी, तभी ग्रांट स्टुअर्ट ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए लगातार छक्के जड़ दिए। 23 गेंदों पर 45 रन की उनकी पारी ने इंग्लैंड खेमे की धड़कनें बढ़ा दीं। लेकिन सैम करन ने 19वें ओवर में स्टुअर्ट को आउट कर मुकाबले पर शिकंजा कस दिया। अंतिम ओवर में ओवर्टन की दो विकेट मेडन गेंदबाजी ने इटली की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। इटली की टीम 20 ओवर में 178 रन पर सिमट गई।

## क्रिकेट टूर्नामेंट एमपीएल सीजन 2 का समापन

**मुरादाबाद।** उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद कुंदरकी विधानसभा के ग्राम छपरी में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट एमपीएल सीजन 2 के फाइनल मैच सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उत्साहवर्धन किया। फाइनल मैच चमरोआ और वीरपुर थान की टीम में हुआ, जिसमें चमरोआ की टीम ने जीत हासिल की। मैच के उपरांत विधायक ने विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को कप, शील्ड व मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सभी सदस्य सहित सैकड़ों क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

## ओमरजई के हरफनमौला प्रदर्शन से अफगानिस्तान ने यूएई को 5 विकेट से हराया

**नई दिल्ल।** आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के 28वें मुकाबले में अफगानिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को पांच विकेट से हराकर प्रतियोगिता में अपनी पहली जीत दर्ज की। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में अजमतुल्लाह ओमरजई ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। अफगानिस्तान ने यूएई को 20 ओवर में 9 विकेट पर 160 रन पर रोक दिया था। इसके बाद 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। पहले ही ओवर की दूसरी गेंद पर यूएई के जुनैद सिद्दीकी ने रहमानुल्लाह गुरबाज को आउट कर दिया। गुलबदीन नैब और इब्राहिम जादरान ने दूसरे विकेट के लिए 40 रन जोड़े। जादरान ने हैदर अली के एक ओवर में चार चौके लगाकर 18 रन बटोरे। हालांकि छठे ओवर में नैब अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद सिदीकुल्लाह अतल ने जादरान के साथ तीसरे विकेट के लिए 30 रन की साझेदारी की, लेकिन वह 14 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हो गए। जादरान ने 41 गेंदों में 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल था।

# टी20 विश्व कप 2026 : न्यूजीलैंड की टीम सुपर-8 में पहुंची, कनाडा को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

**नई दिल्ली** । टी20 विश्व कप 2026 के 31वें मैच में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने ग्रुप डी के मुकाबले में कनाडा को 8 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ग्रुप डी से दक्षिण अफ्रीका के साथ सुपर-8 स्टेज में पहुंच चुका है। न्यूजीलैंड ने ग्रुप डी से अपने अभियान का समापन चार मैचों में तीन मुकाबले जीतकर किया। उनको दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक मुकाबले में 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुए आज के मैच में कनाडा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कनाडा ने 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 173 रन बनाए। कनाडा की ओर से ओपनर युवराज शर्मा ने केवल 65 गेंदों पर 110 रनों की पारी खेली। उनके और दूसरे ओपनिंग बल्लेबाज दिलप्रीत बाजवा के बीच

पहले विकेट के लिए 116 रनों की शानदार साझेदारी हुई। कप्तान बाजवा 39 गेंदों पर 36 रनों की धीमी पारी खेलकर आउट हुए, हालांकि दूसरे छोर से युवराज ने रन गति को बनाए रखा। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हैनरी, जैकब डफी, काइल जैमिसन, जेम्स नीशम को 1-1 विकेट मिला। 174 रनों के टारगेट के जवाब में न्यूजीलैंड ने यह लक्ष्य केवल 15.1 ओवर में हासिल कर लिया। कनाडा के उल्ट कीवियों की शुरुआत खराब रही, जब ओपनिंग बल्लेबाज टिम सेफर्ट 10 गेंदों पर 6 रनों की पारी खेलकर आउट हो गए। उनको साद बिन जाफर ने आउट किया। इसके बाद फिन एलन भी तुरंत आउट हो गए। एलन ने केवल 8 गेंदों पर 21 रनों की पारी खेली। 30 रनों के स्कोर पर दो विकेट गिर जाने के बाद रचिन रविंद्र और ग्लेन फिलिप्स ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर नाबाद विजयी साझेदारी की। रचिन रविंद्र ने 39 गेंदों पर चार चौके और तीन छक्कों की बदौलत 59 रनों की पारी खेली, जबकि ग्लेन फिलिप्स 36 गेंदों पर 76 रन बनाकर विस्फोटक अंदाज में दिखाई दिए। फिलिप्स ने चार चौके और छह छक्के लगाए। इस जीत से जहां न्यूजीलैंड अगली स्टेज में पहुंच चुका है, तो वहीं कनाडा की टीम अपना लगातार तीसरा मैच हार चुकी है। कनाडा को ग्रुप स्टेज का अंतिम मुकाबला अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है।

## पीठ की लंबी चोट से जूझ रहीं इंग्लैंड की पेसर ताश फैरेंट ने 29 की उम्र में क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** इंग्लैंड की बाएं हाथ की तेज गेंदबाज ताश फैरेंट ने बार-बार उभरने वाली पीठ की चोट से पूरी तरह उबर न पाने के कारण 29 वर्ष की उम्र में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। पिछले चार वर्षों से यह चोट उनके करियर पर असर डाल रही थी, जिसके चलते उन्हें लंबे समय तक मैदान से बाहर भी रहना पड़ा।फैरेंट घरेलू क्रिकेट में सरे काउंटी क्रिकेट क्लब और ओवल इविंसिबल के लिए खेलती रही हैं। कम उम्र में ही उन्होंने पहचान बनाई और 2013-14 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एशेज जीतने वाली महिला इंग्लैंड क्रिकेट टीम की सबसे युवा सदस्यों में शामिल रहीं।

घरेलू सर्किट में उन्होंने साउदर्न वाइपर्स के साथ दो बार खिताब जीते। 2021 में द हंड्रेड के पहले सीजन में वह 18 विकेट लेकर शीर्ष विकेट-टेकर रहीं और टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। हाल के समय में उन्होंने साउथ ईस्ट स्टार्स को चार्लोट एडवर्ड कप के फाइनल में पहुंचाने के मदद की और महिला वाइटेलिटी ब्लास्ट में भी खिताबी अभियान का हिस्सा रहीं। संन्यास की घोषणा करते हुए फैरेंट ने कहा कि निरंतर चोट, मानसिक और शारीरिक दबाव के बीच वह अपने तय मानकों के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पा रही थीं, इसलिए यह कठिन फैसला लेना पड़ा। उन्होंने भविष्य में प्रसारण और मीडिया के जरिए खेल से जुड़े रहने की इच्छा जताई। सरे की महिला क्रिकेट निदेशक एम्मा कॉलवर्ट ने फैरेंट की सराहना करते हुए कहा कि कम उम्र में उभरने के बाद उन्होंने कई चुनौतियों का डटकर सामना किया और महिला क्रिकेट के पेशेवर दौर में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

## एफआईएच प्रो लीग : होबार्ट चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित, हार्दिक सिंह होंगे कप्तान

एजेंसी

**नई दिल्ली।** हॉकी इंडिया ने मंगलवार को एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 20 से 25 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया के होबार्ट स्थित तस्मानिया हॉकी सेंटर में खेले जाएंगे। इस चरण में भारत के साथ स्पेन और मेजबान ऑस्ट्रेलिया की टीमें भी हिस्सा लेंगी। राउरकेला चरण में बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ मुकाबले खेलने के बाद अब भारतीय टीम की नजर होबार्ट में बेहतर प्रदर्शन करने पर है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का संतुलित मिश्रण देखने को मिल रहा है। दो बार ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हार्दिक सिंह को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं, हरमनप्रीत सिंह निजी कारणों से इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे। राउरकेला चरण में सीनियर टीम में पदार्पण करने वाले अमनदीप लकड़ा और मनमीत सिंह को भी टीम में जगह दी गई है।

गोलकीपिंग और डिफेंस में अनुभव व युवा जोश

गोलकीपर की जिम्मेदारी सूरज करकेरा और मोहित होन्नेनहल्ली

शशिकुमार संभालेंगे। डिफेंस में अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय और सुमित जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं। इनके साथ अमनदीप लकड़ा, यशदीप सिवाच और पूवन्ना चंदूरा बॉबी जैसे युवा खिलाड़ी भी शामिल हैं।

मिडफील्ड और अटैक में दमदार संयोजन

मिडफील्ड की अगुवाई कप्तान हार्दिक सिंह के साथ संजय, विवेक सागर प्रसाद और राज कुमार पाल करेंगे। इनके अलावा राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह और विष्णु कांत सिंह भी टीम का हिस्सा हैं। फॉरवर्ड लाइन में मनदीप सिंह, अभिषेक और शिलानंद लकड़ा जैसे स्थापित खिलाड़ी शामिल हैं। मनींदर सिंह की टीम में वापसी हुई है, जो 2022 एशिया कप और प्रो लीग 2022-23 तथा 2023-24 में टीम का हिस्सा रहे थे। अराइजित सिंह हुंडाल, आदित्य अर्जुन लालागे और अंगद बीर सिंह भी आक्रमण को मजबूती देंगे।मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि राउरकेला में निराशाजनक परिणामों के बावजूद टीम ने कई महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं और अब हॉबार्ट चरण में बेहतर प्रदर्शन के साथ विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारियों को मजबूत करना लक्ष्य है।

## महिला क्रिकेटः पाकिस्तान ने तीसरे टी20 में दर्ज की सांत्वना जीत, दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से श्रृंखला जीती

एजेंसी

**किम्बरली।** किम्बरली में रात खेले गए तीसरे अंतरराष्ट्रीय ट्वेंटी-20 मुकाबले में फातिमा सना के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 53 रन से हराकर जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज का समापन किया। हालांकि तीन मैचों की इस सीरीज पर मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से कब्जा जमाया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली और गुल फिरोज़ा पहले ही दो ओवर में सस्ते में आउट हो गईं और टीम का स्कोर 10 रन पर दो विकेट हो गया। इसके बाद आयशा जफर (19) और सिदरा अमीन (26) ने संभलकर बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती छह ओवर की अवधि समाप्त होने तक टीम को 46 रन पर दो विकेट तक पहुंचाया। लेकिन 61 रन पर चार विकेट और 73 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद पाकिस्तान दबाव में आ गया। ऐसे समय सना और आलिया रियाज ने छठे विकेट के लिए 45 गेंदों में 69 रन की

महत्वपूर्ण साझेदारी की। सना ने अंतिम ओवरों में आक्रामक रुख अपनाते हुए 30 गेंदों पर नाबाद 47 रन बनाए, जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल रहे। पारी के दौरान तीन बार रन आउट होने के बावजूद पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 144 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत भी खराब रही। सना ने पहले ही ओवर में ताजमिन ब्रिट्स को आउट किया और बाद में कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट को भी पवेलियन भेज दिया। सादिया इकबाल ने मध्यक्रम को झकझोरते हुए तीन विकेट लेकर केवल 18 रन दिए। शुरुआती छह ओवरों के भीतर ही दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 36 रन पर चार विकेट हो गया। नादिन डी क्लर्क (27) और एनेरी डर्कसन (30) ने पांचवें विकेट के लिए 50 रन जोड़कर कुछ उम्मीद जगाई, लेकिन 85 रन के स्कोर पर डर्कसन के रन आउट होते ही टीम फिर बिखर गई।

इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम पांच विकेट मात्र सात रन के भीतर गंवा दिए और पूरी टीम 16 ओवर और पांच गेंद में 91 रन पर सिमट गई। मैरीज़ान कैप बिना कोई गेंद खेले अस्वस्थ होने के कारण मैदान से बाहर चली गईं।

# राष्ट्रीय अनुपालन मंच की बैठक में हुई डोपिंग रोकथाम उपायों की समीक्षा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** खेलों में डोपिंग से जुड़े उभरते मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए राष्ट्रीय अनुपालन मंच (एनसीपी) की चौथी बैठक में बैठक में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सचिव (खेल) हरि रंजन राव ने डोपिंग की रोकथाम और देश में स्वच्छ एवं निष्पक्ष खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालयों के बीच बेहतर समन्वय को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। राव ने कहा कि डोपिंग की घटनाओं को रोकने के लिए समन्वित प्रवर्तन कार्रवाई, आपूर्ति श्रृंखला की कड़ी निगरानी और जागरूकता अभियानों को तेज करना आवश्यक है, ताकि अनजाने में होने वाली डोपिंग के जोखिम को कम किया जा सके और स्वच्छ खेल की गरिमा बनी रहे। बैठक के दौरान नियामक निगरानी को सुदृढ़ करने, परीक्षण और निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने तथा प्रवर्तन एजेंसियों के बीच प्रभावी खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था को बेहतर करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में दूषित एवं गलत लेबल वाले पोषण अनुपूरकों, चिकित्सकीय पर्चे की दवाओं के दुरुपयोग तथा प्रतिबंधित एवं अप्रमाणित पदार्थों की

ऑनलाइन बिक्री और प्रचार जैसे उभरते खतरों पर भी विचार किया गया। हितधारकों ने नमूनों की जांच बढ़ाने, प्रयोगशालाओं की क्षमता का आकलन करने तथा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के समन्वय से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के माध्यम से पोषण अनुपूरकों की जांच सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के लिए संरचित एंटी-डोपिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने, सुलभ शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने तथा औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के प्रावधानों–विशेषकर अनुसूची 'एच' की दवाओं की बिक्री केवल वैध चिकित्सकीय पर्चे पर सुनिश्चित करने–के कड़ाई से पालन पर बल दिया गया। बैठक में यह भी दोहराया गया कि डोपिंग को उसके स्रोत पर रोकने, अंतरराष्ट्रीय एंटी-डोपिंग मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने, खिलाड़ियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा तथा भारत की वैश्विक खेल प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए सरकार के समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। बैठक में विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय, विधि एवं न्याय मंत्रालय, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई), नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा), भारतीय खेल प्राधिकरण तथा भारतीय पैरालंपिक समिति सहित विभिन्न मंत्रालयों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

## स्मृति मंधाना समेत कई सितारों को बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर 2025 में सम्मान

एजेंसी

**नई दिल्ली।** बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर अवार्ड्स 2025 के छठे संस्करण में भारतीय महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों का जश्न मनाया गया, जहां क्रिकेट, शतरंज, निशानेबाजी, पैरा-एथलेटिक्स और कबड्डी जैसे खेलों की शीर्ष प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना को इस साल का मुख्य इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिला। उनका चयन एक ग्रैंड जूरी ने किया, जिसमें लिएंडर पेस, अंजू बॉबी जॉर्ज और दीपा मलिक शामिल थे। मंधाना ने अवॉर्ड स्वीकार करते हुए महिला क्रिकेट के लिए वर्ष 2025 को खास बताया और विश्व कप जीत में योगदान पर खुशी जताई। उभरती शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को एफआईडीई महिला विश्व कप जीत के लिए इमर्जिंग प्लेयर सम्मान मिला। वहीं पैरा एथलीट प्रीति पाल को पेरिस पैरालिम्पिक्स 2024 में दो कांस्य पदक जीतने पर पैरा स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर चुना गया। दिग्गज निशानेबाज अंजलि भागवत को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। जोनाथन मुनरो ने विजेताओं की सराहना करते हुए कहा कि बीबीसी न्यूज और बीबीसी वर्ल्ड सर्विस भारतीय महिला खिलाड़ियों की प्रेरक कहानियों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। स्टार परफॉर्मर्स श्रेणी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम, एकता भ्याण, दीप्ति जीवनजी, भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम और भारतीय महिला राष्ट्रीय कबड्डी टीम को सम्मान मिला। चेंजमेकर्स श्रेणी में भारतीय महिला राष्ट्रीय आइस हॉकी टीम, राजबीर कौर, सविता पुनिया और जमीनी स्तर पर खेल को बढ़ावा देने वाली पानी देवी को सराहा गया। इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर अवार्ड्स की प्रोडक्शन साझेदार संस्था की एडिटर-इन-चीफ रूपा झा ने कहा कि खेल की असली ताकत अवसर पैदा करने और बाधाएं तोड़ने में है।

# खेलो इंडिया विंटर गेम्स के लिए गुलमर्ग में सजेगा सपनों का मंच, खिलाड़ी तैयार

एजेंसी

**गुलमर्ग (जम्मू-कश्मीर)।** बर्फ से ढकी ढलानों, देवदार के पेड़ों और पीर पंजाल की गुलाबी सुबह के बीच गुलमर्ग एक बार फिर देश के शीतकालीन खेलों का केंद्र बनने जा रहा है। 23 से 26 फरवरी तक यहां खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 का दूसरा चरण आयोजित होगा। इससे पहले पहला चरण 20 से 26 जनवरी तक लद्दाख में संपन्न हुआ था, जिसमें आइस स्केटिंग और हॉकी जैसे बर्फीले खेल खेले गए थे।

यह लगातार छठा वर्ष है, जब विंटर गेम्स का आयोजन गुलमर्ग में हो रहा है। इसी निरंतरता के कारण गुलमर्ग को 'भारत की विंटर स्पोर्ट्स कैपिटल' कहा जाने लगा है। गुलमर्ग चरण में स्की माउंटेनियरिंग, अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग (क्रॉस-कंट्री) और स्नोबोर्डिंग की कुल चार पदक स्पर्धाएं आयोजित होंगी। करीब 400 खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे,

जिनमें सर्वाधिक संख्या अल्पाइन स्कीइंग में होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व में खेलो इंडिया विंटर गेम्स को 'नए खेल आत्मविश्वास का प्रतीक' बताया था। उनका कहना था कि गुलमर्ग देशभर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खिलाड़ियों को एक मंच पर लाता है, जहां भौगोलिक सीमाएं मिट जाती हैं और प्रतिभा एकजुट होती है।

**ऊंचाई की चुनौती, जोश में कोई कमी नहीं**

समुद्र तल से लगभग 8700 फीट की ऊंचाई पर तैयारी करना आसान नहीं है। जम्मू के अंकुश बाजाला कहते हैं, 'यहां सिर्फ पैरों की नहीं, फेफड़ों और धैर्य की भी ट्रेनिंग होती है।' जम्मू की कनिका शान मानती हैं कि खेलो इंडिया ने शीतकालीन खेलों को नई पहचान दी है।

पुणे के ऋषि गुलहाने ऊंचाई के असर को स्वीकार करते हुए कहते हैं, 'पहले दो दिन मुश्किल होते हैं, लेकिन फिर यही चुनौती आपको और मजबूत बनाती है।' इंदौर के अतुल वैद गुलमर्ग को 'भारत का आल्प्स' बताते हैं। हैदराबाद के यशवंत रेड्डी, जो पहले स्काइडाइवर रहे हैं, अब स्कीइंग में हाथ आजमा रहे हैं। केरल से आए मोहम्मद सिनान के लिए यह अनुभव जीवन बदलने वाला है। अंबाला के रोहित सनी कहते हैं कि स्टार्ट गेट पर खड़े होने का दबाव अलग ही होता है। मध्य प्रदेश के सौरभ साहू का मानना है कि इन खेलों ने देशभर में मानक ऊंचे किए हैं। वहीं हैदराबाद के अद्वित केसी रेड्डी गुलमर्ग को 'सपनों का मंच' बताते हैं। जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों के लिए यह प्रतियोगिता खास मायने रखती है। 'यह हमारा घर है, यहां जीतने का अहसास अलग होता है,' कनिका शान कहती हैं।

## सुपर-8 की रेस में बड़ा उलटफेर, ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हरा श्रीलंका ने शान से मारी एंट्री

एजेंसी

**पल्लेकेले (श्रीलंका)।** आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में सुपर-8 की दौड़ रोमांचक हो गई है। करो या मरो के मुकाबले में श्रीलंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश कर लिया है। इस नतीजे से ग्रुप की अंकतालिका में बड़ा बदलाव आया है और अन्य टीमों की दावेदारी पर भी असर पड़ा है। पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 181 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया को मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड ने दमदार शुरुआत दिलाई। मार्श और हेड ने दोनों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जड़ा और पहले विकेट के लिए 104 रनों की साझेदारी की। हेड 29 गेंदों में 7 चौके और 3 छक्कों के साथ 56 रन बनाकर आउट हुए। हेड के आउट

होने के बाद ऑस्ट्रेलिया की पारी लड़खड़ा गई। अगले ही ओवर में कैमरून ग्रीन सिर्फ 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए और फिर मार्श भी 27 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्कों के साथ 54 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद विकेटों की झड़ी लग गई। टिम डेविड (6), ग्लेन मैक्सवेल (22), जोश इंग्लिश (27) और कूपर कॉनॉली (3) सस्ते में आउट हो गए। इतना ही नहीं, आखिरी ओवर में मार्कस स्टोइनिस (4), जेवियर बार्टलेट (0) और एडम जैम्पा (1) तीनों पवेलियन लौट गए और ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 20 ओवर में 181 रन पर सिमट गई। श्रीलंका की ओर से दुशन हेमंथा ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए। उनके अलावा, दुश्मंथा चमीरा ने 2 विकेट झटके, जबकि महेश थीक्षाना, दुनिथ वेल्लागे और कामिंदु मेंडिस ने 1-1 विकेट लिया। 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत धीमी रही। वहीं, टीम को दूसरे ओवर में ही झटका लगा और कुसल परेरा सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए।

## पाकिस्तान के लिए करो या मरो का मुकाबला, नामीबिया पर हर हाल में करनी होगी जीत

**कोलंबो** : अपने चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से मिली करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान का टी20 विश्व कप में अभियान नाजुक मोड़ पर पहुंच गया है और इससे नामीबिया के खिलाफ बुधवार को होने वाला मैच उसके लिए करो या मरो जैसा बन गया है। एक समय पाकिस्तान सुपर आठ में जगह बनाने की अच्छी स्थिति में दिख रहा था लेकिन भारत से हार ने उसे बुरी तरह से झकझोर दिया है जिसके कारण उसे ग्रुप ए के अपने आखिरी मैच में करो या मरो की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। विश्व कप में प्रत्येक ग्रुप से केवल शीर्ष दो टीमें ही सुपर 8 में पहुंचेंगी। पाकिस्तान वर्तमान में भारत और अमेरिका के बाद तालिका में तीसरे स्थान पर है। भारत ने तीन मैचों में तीन जीत के साथ सुपर 8 के लिए क्वालीफाई कर लिया है जबकि अमेरिका चार अंक और बेहतर रन रेट के कारण दूसरे स्थान पर है। नामीबिया से हार कागजों पर असंभव लगती है लेकिन पाकिस्तान की अस्थिर बल्लेबाजी को देखते हुए इसे पूरी तरह से नकारा भी नहीं जा सकता है। नामीबिया के खिलाफ हार से पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा और अमेरिका सुपर 8 में जगह बनाने की अच्छी स्थिति में पहुंच जाएगा। हालांकि पाकिस्तान जिस टीम का सामना करेगी वह अपने तीनों मैच हार चुकी है और ग्रुप में सबसे निचले स्थान पर है। ऐसे में सारा ध्यान पाकिस्तान की बल्लेबाजी पर होगा।

# ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए प्रतिका रावल की भारतीय टीम में वापसी

एजेंसी

**नई दिल्ली।**भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले बड़ी राहत मिली है। चोट के कारण लंबे समय से मैदान से बाहर चल रहीं युवा बल्लेबाज प्रतिका रावल की टीम में वापसी हो गई है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार प्रतिका रावल ने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपना पुनर्वास सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। उन्हें अक्टूबर 2025 में महिला विश्व कप के दौरान टखने में चोट लगी थी। प्रतिका को बांग्लादेश के खिलाफ बारिश से प्रभावित मुकाबले में फील्डिंग के दौरान चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। सेमीफाइनल से पहले उनकी जगह शेफाली वर्मा को टीम में शामिल किया गया था। तब से प्रतिका ने कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला था और वह पूरी तरह

फिट होकर अब टीम में लौटी हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के बाद होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भी भारतीय टीम में जगह दी गई है।

**केंद्रीय अनुबंध और डब्ल्यूपीएल में चयन**

मैदान से दूर रहने के बावजूद प्रतिका रावल के अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरुआत को देखते हुए उन्हें बीसीसीआई की केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल किया गया। इसके अलावा 2026 महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में यूपी वॉरियर्स ने भी उन्हें अपनी टीम में चुना था, हालांकि चोट के कारण वह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकीं।

**24 फरवरी से शुरू होगी सीरीज**

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 24 फरवरी से ब्रिस्बेन में शुरू होगी। दूसरा और तीसरा मुकाबला होबार्ट में खेला जाएगा, जबकि एकमात्र टेस्ट मैच पर्थ में आयोजित होगा।

**ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज के लिए भारत की अपडेटेड टीमः**

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरानी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), काश्वी गौतम, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, प्रतिका रावल।

## आय फाइनेंल ने निवेशकों को किया निराश, स्टॉक मार्केट में सपाट लिस्टिंग के बाद लुढ़के शेयर

एजेंसी

**नई दिल्ली।** नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी आय फाइनेंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर बिना किसी उतार-चढ़ाव के एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 129 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 129 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 133.80 रुपये के स्तर पर पहुंचा, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इसने 120.55 रुपये के स्तर तक गोता लगा दिया। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद यह शेयर 128.91 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह पहले दिन के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर नौ पैसे यानी 0.07 प्रतिशत के नुकसान में रहे। आय फाइनेंस का 1,010 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.04 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.62 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.05 गुना सब्सक्रिप्शन आ पाया था।

## शेयर बाजार में दो दिन की गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के साथ बंद हुए

**नई दिल्ली।** लगातार दो कारोबारी दिन तक बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज शानदार वापसी करने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ ही हुई थी। सुबह 10 बजे तक के कारोबार में बिकवाल बाजार पर हावी होते हुए नजर आए, लेकिन उसके बाद लिवालों ने अपना जोर बना दिया। खरीदारों के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। हालांकि बीच-बीच में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली के मामूली झटका भी लगते रहे। इसके बावजूद पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.79 प्रतिशत और निफ्टी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बाजार में खरीदारी का रुझान बना रहा। खासकर पावर, रियल्टी, एनर्जी और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, कैपिटल गुड्स, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मीडिया और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर लिवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

## स्नैपडील पर बीआईएस मानकों का उल्लंघन करने पर पांच लाख रुपये का जुर्माना

**नई दिल्ली।** केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने अनिवार्य भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणन का अनुपालन नहीं करने वाले खिलौने बेचने के मामले में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्नैपडील पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक सीसीपीए ने जरूरी खिलौने (गुणवत्ता नियंत्रण) ऑर्डर, 2020 और बीआईएस मानक का उल्लंघन करके खिलौनों बेचने वाली ई-कॉमर्स कंपनियों और सेलर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। सीसीपीए ने स्नैपडील (ऐस वेक्टर लिमिटेड) पर अपने प्लेटफॉर्म पर नॉन-बीआईएस कंप्लायंट खिलौनों की बिक्री को बढ़ावा देकर गलत व्यापार अभ्यास और गुमराह करने वाले विज्ञापन करने के लिए 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जो कंज्यूमर के अधिकारों का उल्लंघन है। मंत्रालय के मुताबिक सीसीपीए ने जुर्माना लगाने के अलावा स्नैपडील को निर्देश दिया है कि वह भविष्य में यह सुनिश्चित करे कि उसके प्लेटफॉर्म पर कोई भी ऐसा खिलौना सूचीबद्ध या प्रचारित न किया जाए, जो बीआईएस मानकों के अनुरूप न हो।

## चावल, चीनी, दालें मजबूत; गेहूं नरम; खाद्य तेलों में घट-बढ़

**नई दिल्ली।** घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ चीनी और दालों में भी तेजी रही। गेहूं की कीमतों में नरमी रही जबकि खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 85 रुपये बढ़कर 3,846 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं की कीमत 22 रुपये घटकर 2,850 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। आटा 35 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। दाल-दलहनों में तेजी रही। चना दाल औसतन 137 रुपये और तुअर दाल 128 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 111 रुपये और मूंग दाल की 42 रुपये बढ़ी। उड़द दाल की कीमत लगभग गत दिवस के स्तर पर ही रही।

## एआई का समान लाभ सुनिश्चित करने के लिए भारत और अन्य विकासशील देशों को अपने स्वयं के एलएलएम बनाने चाहिए : अमिताभ कांत

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि बड़ी कंपनियां ग्लोबल साउथ के देशों से प्राप्त डेटा का इस्तेमाल अपने लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) को प्रशिक्षित करने में कर रही हैं। ऐसे में एआई का समान लाभ सुनिश्चित करने के लिए भारत और अन्य विकासशील देशों को अपने स्वयं के डेटा के आधार पर अपने मॉडल बनाने चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में में चल रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एक पैनल चर्चा के दौरान बोलते हुए, कांत ने कहा कि ग्लोबल साउथ के देशों से प्राप्त डेटा का इस्तेमाल लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) को प्रशिक्षित करने में किया जा रहा है। भारत आज संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक डेटा प्रदान करता है। कांत के अनुसार, ग्लोबल साउथ के डेटा के आधार पर एलएलएम में



सुधार हो रहा है और उन्होंने चेतावनी दी कि बड़ी तकनीकी कंपनियां इस डेटा पर आधारित व्यावसायिक मॉडल बना सकती हैं और बाद में उत्पादों को उच्च लागत पर बेच सकती हैं। इस कारण भारत और अन्य विकासशील देशों को समान लाभ सुनिश्चित करने के लिए अपने स्वयं के डेटा के आधार पर अपने मॉडल बनाने चाहिए।

इसके अलावा नीति आयोग के पूर्व सीईओ ने कहा कि एआई किफायती, जवाब देह और आसान पहुंच वाला होना चाहिए। साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को बहुभाषीय हो, जिससे इसका इस्तेमाल ग्लोबल साउथ के लोगों की जिंदगी में बदलाव के लिए किया जा सके, ताकि असमानता और गहरी नहीं हो। कांत के मुताबिक, तेजी से एआई के विकास और बड़े निवेश के कारण अधिक असमान समाज के निर्माण की संभावना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि एआई के विकास में चुनौती यह है कि क्या हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली आबादी तक पहुंचे, क्या इसका उपयोग ग्लोबल साउथ के नागरिकों के जीवन को बदलने के लिए किया जा सकता है और क्या इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य परिणामों और पोषण मानकों में सुधार के लिए किया जा सकता है।

कांत ने चेतावनी दी कि यदि एआई को गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों के लाभ के लिए डिजाइन नहीं किया गया, तो मौजूदा असमानताएं और भी बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा और सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए इस तकनीक का उपयोग किया जाना चाहिए, और यह भी बताया कि जो पहले भौतिक रूप से संभव नहीं था, वह अब एआई के कारण संभव है।

## एनएचएआई ने 6,220 करोड़ रुपये में दो राजमार्ग निजी निवेश के लिए खोले

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने दो राष्ट्रीय राजमार्गों को निजी निवेश के लिए खोलने के लिए नेशनल हाईवेज इंफ्रा ट्रस्ट (एनएचआईटी) का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। यह सौदा 6,220.90 करोड़ रुपये का है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, इन राजमार्गों में महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के कुल 310.35 किलोमीटर लंबे दो राजमार्ग खंड शामिल हैं। महाराष्ट्र में अमरावती-चिखली-तारसोड (एनएच-53) 255.97 किलोमीटर और आंध्र प्रदेश में गुंडुगोलानु-चिन्ना-अवुतापल्ली (एनएच-16) 54.38 किलोमीटर का हिस्सा शामिल है। एनएचएआई अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने कहा कि इस तरह के निवेश मॉडल से देशभर में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए पूंजी जुटाने में मदद मिल रही है। इस सौदे के बाद एनएचआईटी के जरिए अब तक कुल 49,858 करोड़ रुपये के राजमार्ग निजी निवेश के लिए खोले जा चुके हैं। एनएचआईटी, जो एनएचएआई द्वारा शुरू किया गया है, अब तक चार बार पूंजी जुटा चुका है। इसमें सीपीपीआईबी, ओटीपीपी, ईपीएफओ, एनएचएआई और एसबीआई समूह जैसे बड़े निवेशक जुड़े हैं। इसके 700 से ज्यादा निवेशक हैं और वर्तमान में एनएचआईटी का बाजार मूल्य लगभग 28,000 करोड़ रुपये है। इसके शेयर एनएसई और बीएसई दोनों पर सूचीबद्ध हैं।

एनएचएआई ने मौजूदा राजमार्गों से धन जुटाने की इस नीति को अपनाया है ताकि नए राजमार्ग बनाने में निवेश किया जा सके। चालू वित्त वर्ष में अब तक लगभग 28,077 करोड़ रुपये के राजमार्ग निजी निवेश के लिए खोले जा चुके हैं।

## इस्पात मंत्रालय ने चिंतन शिविर में हरित इस्पात पर किया विचार-विमर्श

एजेंसी

**नई दिल्ली।** इस्पात मंत्रालय की ओर से मंडी गोविंदगढ़ में आयोजित चिंतन शिविर में द्वितीयक इस्पात क्षेत्र पर विशेष ध्यान देते हुए हरित इस्पात पर विचार-विमर्श किया गया। शिविर में सरकार, औद्योगिक उद्यम और उद्योगपतियों द्वितीयक इस्पात के लिए हरित इस्पात उत्पादन के महत्व, चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए।

इस्पात मंत्रालय ने बताया कि मंडी गोबिंदगढ़ स्थित राष्ट्रीय द्वितीयक इस्पात प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएसएसटी) में एक दिवसीय चिंतन शिविर का उद्घाटन इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंड्रिक ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में द्वितीयक इस्पात क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डाला, जो देश में कुल इस्पात उत्पादन का लगभग 47 फीसदी योगदान देता है। संदीप पौंड्रिक ने बताया कि भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहां उत्पादन, खपत और स्थापित क्षमता में प्रतिवर्ष 8-10 फीसदी की वृद्धि हो रही है। उन्होंने द्वितीयक इस्पात क्षेत्र के विकास में एनआईएसटी की भूमिका की सराहना की। उन्होंने सभा



को सूचित किया कि एनआईएसटी देश के विभिन्न इस्पात समूहों में महीने में दो बार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके अपने उद्देश्यों को पूरा कर रहा है। मंत्रालय के मुताबिक एनआईएसटी को हरित इस्पात प्रमाणन के लिए नोडल एजेंसी नामित किया है और इसने अब तक 76 उद्योगों (10.98 मीट्रिक टन) को हरित इस्पात प्रमाणपत्र जारी किए हैं। संयुक्त सचिव और एनआईएसटी के अध्यक्ष दया निधान पांडे ने भी द्वितीयक इस्पात क्षेत्र की क्षमता निर्माण में एनआईएसटी की भूमिका पर प्रकाश डाला। चिंतन शिविर-2026 में इस्पात क्षेत्र में उभरती कम कार्बन वाली प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित विचार-विमर्श किया गया जिसमें कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए ब्लास्ट फर्नेस में हरित हाइड्रोजन का उपयोग और रोटरी भट्टी आधारित लौह निर्माण में हाइड्रोजन का उपयोग शामिल है।

## देश का निर्यात जनवरी में 0.61 फीसदी बढ़कर 36.56 अरब डॉलर पर, व्यापार घाटा हुआ 34.68 अरब डॉलर

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। वैश्विक आर्थिक दबावों के बावजूद देश का निर्यात जनवरी माह में सालाना आधार पर 0.61 फीसदी बढ़कर 36.56 अरब डॉलर हो गया है। निर्यात में यह बढ़ोतरी वैश्विक चुनौतियों के बीच सकारात्मक संकेत है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि देश का निर्यात जनवरी में सालाना आधार पर 0.61 फीसदी बढ़कर 36.56 अरब डॉलर हो गया।

जनवरी में आयात 19.2 फीसदी बढ़कर 71.24 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 59.77 अरब डॉलर था। आयात में इस तेज बढ़ोतरी के कारण जनवरी में व्यापार घाटा बढ़कर 34.68 अरब डॉलर पर पहुंच गया। व्यापार घाटे से आशय आयात और निर्यात के बीच के अंतर से है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि देश का निर्यात




वस्तुओं एवं सेवाओं दोनों श्रेणियों में बढ़त का रुझान दिखा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वित्त वर्ष 2025-26 में वस्तुओं एवं सेवाओं का कुल निर्यात 860 अरब डॉलर के स्तर को पार कर सकता है। अग्रवाल ने बताया कि लगातार बढ़ता निर्यात देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की स्थिति बेहतर हो रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 10 महीने (अप्रैल-जनवरी) के दौरान देश का वस्तु निर्यात 2.22 फीसदी बढ़कर 366.63 अरब डॉलर पर पहुंच गया है।

## आर्थिक विकास बनाए रखने के लिए देश में टीएफआर 2.1 से ऊपर रहना जरूरीः सतीश कुमार

एजेंसी

**भोपाल।** यदि किसी देश की जनसंख्या युवा और सक्रिय नहीं है तो उसकी जीडीपी में गिरावट आना स्वाभाविक है। इसके विपरीत, यदि जनसांख्यिकीय संरचना मजबूत और संतुलित है, तो आर्थिक विकास को गति मिलती है। वर्तमान में भारत की जीडीपी वृद्धि दर लगभग 7.3 से 7.4 प्रतिशत है और इसके पीछे सबसे बड़ा कारण देश की विशाल युवा आबादी है, जोकि आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही है। यह बात स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय सह-आयोजक सतीश कुमार ने कही। वे कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सभागार में आयोजित 'स्वदेशी फॉर अभ्युदय' विषय पर हुए उद्योग सम्मेलन में बोल रहे थे। भोपाल में ऑर्गेनाइजर वीकली द्वारा आयोजित अभ्युदय लीडरशिप कॉन्क्लेव में सतीश कुमार ने देश की आर्थिक प्रगति और जनसंख्या संरचना के बीच गहरे संबंध पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की



अर्थव्यवस्था केवल संसाधनों या नीतियों से नहीं, बल्कि उसकी जनसंख्या की संरचना से भी तय होती है। उनका मानना है कि यदि किसी देश की आबादी युवा और ऊर्जावान है, तो उसकी उत्पादकता बढ़ती है और इसका सीधा असर जीडीपी पर पड़ता है। उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां की अर्थव्यवस्था पर बढ़ती उम्र वाली आबादी का असर दिखाई देने लगा है। समाज बूढ़ा हो रहा है और पर्याप्त संख्या में नए बच्चे जन्म नहीं ले रहे हैं, जिसके कारण श्रमशक्ति कम हो रही है। यह स्थिति किसी भी देश के लिए चेतावनी हो सकती है, क्योंकि जनसंख्या का संतुलन बिगड़ने से आर्थिक विकास की गति धीमी हो जाती है। लक्ष्य निर्धारण की आवश्यकता सतीश कुमार ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति, समाज, राष्ट्र या संपूर्ण मानवता प्रगति करना चाहती है, तो उसके सामने एक स्पष्ट लक्ष्य होना जरूरी है। बिना लक्ष्य के प्रयास दिशाहीन हो जाते हैं। इसी सोच के साथ भारत ने 'विकसित भारत ञ्च 2047' का संकल्प लिया है, जो देश को एक मजबूत, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की दिशा में मार्गदर्शन करता है।

**भारतीय विकास मॉडल की दार्शनिक प्रेरणा**

उन्होंने कहा कि भारत के विकास का आदर्श केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जड़ें भारतीय दर्शन में भी हैं। 1960 के दशक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'एकात्म मानव दर्शन' का विचार प्रस्तुत किया था, जो मानव-केंद्रित विकास का मार्ग दिखाता है। इसी दर्शन से भारतीय विकास मॉडल की नींव रखी गई, जिसमें समाज, संस्कृति और अर्थव्यवस्था का संतुलित समन्वय शामिल है। इसके साथ ही उनका कहना रहा कि आज सरकार उसी दर्शन को अपने तरीके से 'विकसित भारत 2047' के रूप में प्रस्तुत कर रही है। वहीं ऑर्गेनाइजर वीकली इस व्यापक दृष्टि को 'अभ्युदय' की संज्ञा देता है। इसका अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण है जो नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से भी महान हो।

## बिल गेट्स ने चंद्रबाबू नायडू से की मुलाकात, आंध्र प्रदेश की तकनीकी पहलों की सराहना

जेंसी

**अमरावती,।** आंध्र प्रदेश के दौरे पर आए गेट्स फाउंडेशन और माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य की तकनीक आधारित पहलों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्यमंत्री नायडू ने सचिवालय में रियल-टाइम गवर्नेंस कमांड सेंटर (आरटीजीएस) का दौरा कराया और अपनी पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से डेटा लेक और एवेयर 2.0 प्लेटफॉर्म की ताकत दिखाई। उन्होंने बताया कि कैसे अब राज्य सरकार हर समस्या पर रीयल-टाइम में नजर रख रही है और तुरंत निर्णय ले रही है। नायडू ने समझाया कि डेटा लेक के माध्यम से सभी सरकारी विभाग जुड़े हैं और जनता की राय व योजनाओं की सफलता को आंकड़ों के जरिए सीधे मॉनिटर किया जा रहा है। बिल गेट्स ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि डेटा लेक और वॉट्सऐप गवर्नेंस के जरिए सार्वजनिक सेवाओं को सरल बनाना एक शानदार कदम है। जब बिल गेट्स ने संपत्ति के रिकॉर्ड की सुरक्षा पर सवाल किया, तो मुख्यमंत्री नायडू ने ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी और क्यूआर कोड के इस्तेमाल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे जमीनी रिकॉर्ड में पारदर्शिता बढ़ी है और किसी भी हेराफेरी को रोका जा सकता है। बिल गेट्स ने आंध्र प्रदेश के टैक्स कलेक्शन मॉडल को भी 'शानदार' बताया। इस मौके पर गेट्स ने चित्तूर जिले में संजीवनी परियोजना के बारे में जानकारी ली, जो बिल गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से संचालित हो रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परियोजना से स्वास्थ्य सेवाओं में नई क्रांति आई है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया जा रहा है। इसके बाद गेट्स ने अमरावती के उंडावल्ली गांव स्थित एक फार्म का दौरा किया, जहां ड्रोन और एआई तकनीक के इस्तेमाल से खेती की जा रही है। इसे कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने वाला पहल बताया गया।

## यूपीआई बना लेनदेन का सबसे पसंदीदा माध्यम, रुपे डेबिट कार्ड को बढ़ावा देने की जरूरतः रिपोर्ट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** नकद लेन-देन को पीछे छोड़ते हुए अब यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान का सबसे पसंदीदा जरिया बन गया है। हालांकि, गांवों तथा छोटे कस्बों में रुपे डेबिट कार्ड के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए लक्षित हस्तक्षेप की जरूरत है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) की जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने 13-14 फरवरी को आयोजित चिंतन शिविर के दौरान 'रुपे डेबिट कार्ड और कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई (व्यक्ति-से-व्यापारी) लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव विश्लेषण' शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने, भुगतान अवसंरचना को मजबूत करने




और वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने में सरकार के प्रोत्साहन ढांचे की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक डिजिटल लेन-देन में वर्ष 2021 से वर्ष 2025 के बीच लगभग 11 गुना वृद्धि हुई है, जिसमें कुल डिजिटल लेन-देन में यूपीआई की हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 80 फीसदी हो गई है।रिपोर्ट के मुताबिक मूल्यांकन से पता चलता है कि विभिन्न सामाजिक-आर्थिक वर्गों में डिजिटल भुगतान को अपनाने में महत्वपूर्ण और निरंतर वृद्धि हुई है। सर्वेक्षण में शामिल उपयोगकर्ताओं में यूपीआई सबसे पसंदीदा लेन-देन माध्यम के रूप में उभरा है, जिसका प्रतिशत 57 फीसदी है, जो नकद लेनदेन (38 फीसदी) से कहीं अधिक है। इसका मुख्य कारण उपयोग में आसानी और तत्काल धन हस्तांतरण की क्षमता है। सामाजिक-आर्थिक प्रभाव विश्लेषण व्यापक प्राथमिक सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसमें 15 राज्यों के 10,378 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया है, जिनमें 6,167 उपयोगकर्ता, 2,199 व्यापारी और 2,012 सेवा प्रदाता शामिल हैं। अध्ययन से पता चलता है कि 90 फीसदी उपयोगकर्ताओं ने यूपीआई और रुपे कार्ड का उपयोग करने के बाद डिजिटल भुगतान में अपना विश्वास बढ़ाया है, साथ ही नकदी के उपयोग और एटीएम से निकासी में उल्लेखनीय कमी आई है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक सामाजिक-आर्थिक प्रभाव विश्लेषण के निष्कर्षों से भविष्य की नीति निर्माण में मूल्यवर्धन होने और भारत के डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम के लिए निरंतर समर्थन सुनिश्चित होने की उम्मीद है। ये रिपोर्ट आर्थिक विकास और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने वाले लचीले, समावेशी और सुरक्षित डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है।

## सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज दिन के पहले सत्र के कारोबार में गिरावट का रुख बना हुआ है। सोना आज 1,200 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,310 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चांदी के भाव में सौ रुपये प्रति किलोग्राम की सांकेतिक कमजोरी दर्ज की गई है। सोने के भाव में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,56,430 रुपये से लेकर 1,56,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,43,390 रुपये से लेकर 1,43,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,67,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,56,580 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,56,430 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,43,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,56,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी का आईपीओ 24 फरवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 367-386 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

**मुंबई।** पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 24 फरवरी को खुलेगा। इसमें निवेश के लिए 26 फरवरी तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 367-386 रुपये प्रति शेयर तय किया है। 10 रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ 26 फरवरी को बंद होगा। कंपनी के शेयर बीएसई तथा एनएसई पर सूचीबद्ध होने के लिए प्रस्तावित हैं।पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वैलरी लिमिटेड के मुताबिक निवेशक इसमें निवेश के लिए कम से कम 32 इक्विटी शेयर और उसके बाद 32 इक्विटी शेयर के गुणक में बोली लगा सकते हैं। 380 करोड़ रुपये का यह इश्यू पूरी तरह से फ्रेश इश्यू है, जिसमें कंपनी 98 लाख नए शेयर जारी कर रही है। इस आईपीओ का साइज 380 करोड़ रुपये का है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 98 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। यह इश्यू पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है। जिसका मतलब है कि कंपनी के मौजूदा निवेशक एक भी शेयर आईपीओ में नहीं बेच रहे हैं। इस इश्यू से जुटाये 286.56 करोड़ रुपये का उपयोग 15 नए स्टोर के सेट-अप के लिए किया जाएगा, जबकि 35.40 करोड़ रुपये का इस्तेमाल मार्केटिंग और प्रमोशन के लिए होगा।

## स्टॉक मार्केट में फ्रैक्टल एनालिटिक्स की कमजोर एंट्री, नुकसान में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सिटीबैंक, फ्रेंकलिन टेंपलटन और फिलिप्स जैसी बड़ी कंपनियों को ग्लोबल एंटरप्राइज एआई सर्विस देने वाली कंपनी फ्रैक्टल एनालिटिक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 900 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 900 रुपये के स्तर पर ही हुई, जबकि एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 2.67 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 876 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इसकी चाल में और गिरावट आ गई। दिन भर का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर एनएसई पर 847.15 रुपये के स्तर पर और बीएसई पर 847.40 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.8 प्रतिशत का नुकसान हो गया। फ्रैक्टल एनालिटिक्स का 2,840 करोड़ रुपये का आईपीओ 9 से 11 फरवरी




के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.81 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 1.11 गुना सब्सक्रिप्शन आ पाया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.10 गुना और एंप्लॉयीज का हिस्सा 0.65 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 1,030 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए एक रुपये फेस वैल्यू वाले 2,01,15,554 शेयर बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयर की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को कम करने, नए ऑफिस का सेटअप करने, आर एंड डी तथा मार्केटिंग में निवेश करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 194.40 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 54.70 करोड रुपए का शुद्ध नुकसान हो गया। हालांकि इसके अगले साल 2024-25 में कंपनी को 220.60 करोड रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 70.90 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार तेजी आई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 2,043.70 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2,241.90 करोड़ रुपये के स्तर पर और 2024-25 में उछल कर 2,816.20 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 1,594.30 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

## सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' ठप, अमेरिका और ब्रिटेन में हजारों यूजर प्रभावित

**एजेंसी**

**सैन फ्रांसिस्को।** सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' रविवार को अमेरिका और ब्रिटेन में हजारों यूज़र्स के लिए अचानक ठप हो गया, जिससे लोगों को लॉगिन करने, पोस्ट देखने और अपडेट करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आउटेज ट्रैक करने वाली वेबसाइट डाउन-डिटेक्टर के अनुसार, पूर्वी समयानुसार सुबह करीब 8:24 बजे तक प्लेटफॉर्म से जुड़ी समस्याओं की 23 हजार से अधिक रिपोर्ट दर्ज की गईं। यह आंकड़े यूजर्स द्वारा भेजी गई शिकायतों पर आधारित होते हैं, इसलिए प्रभावित लोगों की वास्तविक संख्या इससे अलग हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन में बड़ी संख्या में यूजर्स ने सेवा बाधित होने की जानकारी दी। कई लोगों ने फीड लोड न होने और संदेश पोस्ट करने में विफलता की शिकायत की। कंपनी की ओर से फिलहाल आउटेज के कारणों पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। हालांकि तकनीकी विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की दिक्कतें सर्वर समस्या, नेटवर्क बाधा या सिस्टम अपडेट के दौरान भी सामने आ सकती हैं। फिलहाल सेवा बहाली की स्थिति पर यूजर्स और विशेषज्ञों की नजर बनी हुई है।

## परमाणु वार्ता से पहले जेनेवा पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री, होर्मुज जलडमरूमध्य में गार्ड्स का सैन्य अभ्यास

**जेनेवा।** ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची अमेरिका के साथ दूसरे दौर की परमाणु वार्ता में भाग लेने के लिए जेनेवा पहुंच गए हैं। इसी बीच इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य में सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया है। तेहरान के अनुसार ओमान की मध्यस्थता में 'अप्रत्यक्ष' परमाणु वार्ता प्रस्तावित है। हालांकि, अमेरिका पहले संकेत दे चुका है कि वह बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और क्षेत्रीय समूहों को समर्थन जैसे मुद्दे भी उठाना चाहता है।ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक यह अभ्यास संभावित सुरक्षा और सैन्य खतरों से निपटने की तैयारी का हिस्सा है। होर्मुज जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है, इसलिए इसकी सामरिक अहमियत काफी अधिक है। हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच तनाव और कूटनीतिक संपर्क साथ-साथ चलते रहे हैं। पिछले वर्ष इजराइल द्वारा ईरान पर बड़े पैमाने के हवाई हमलों के बाद वार्ता प्रक्रिया बाधित हो गई थी, जिसे अब फिर शुरू किया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि उनका देश समझौते को लेकर आशावादी है और कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता देता है। अराघची ने बताया कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रोसी से तकनीकी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की है। ग्रोसी ने भी वार्ता को आगे बढ़ाने हुए सकारात्मक संवाद की पुष्टि की। विशेषज्ञों के अनुसार, उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम के भंडार और क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरण इस वार्ता के प्रमुख मुद्दे रहेंगे, जिन पर आगे की प्रगति से पश्चिम एशिया की स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

## सउदी अरब ने वेस्ट बैंक के मुद्दे पर की इजरायल की निंदा

**रियाद।** सऊदी अरब ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक को फिर से अपनी भूमि के तौर पर वर्गीकृत करने को लेकर इज़रायल की निंदा की है और इसे अंतरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन और इलाके में शांति की कोशिशों के लिए ख़तरा बताया है। सऊद अरब के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह कदम कब्ज़े वाले इलाके में एक नयी कानूनी और प्रशासनिक हकीकत को थोपता है, जिससे द्वि-राष्ट्र समाधान और फ़िलिस्तीनी अधिकार कमज़ोर होते हैं। मंत्रालय ने कहा कि फ़िलिस्तीनी ज़मीन पर इज़रायल का कोई हक़ नहीं है। मंत्रालय ने इन कदमों को फ़िलिस्तीनी लोगों के चार जून, 1967 की सीमाओं पर एक आज़ाद देश बनाने के कानूनी हक़ पर हमला बताया, जिसकी राजधानी पूर्वी येरुशलम हो। उल्लेखनीय है कि इज़रायली सरकार ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बड़े इलाकों को अपनी भूमि के तौर पर वर्गीकृत करने की योजना को मंज़ूरी दी, अगर फ़िलिस्तीनी मालिकाना हक़ साबित नहीं कर पाते। यह प्रस्ताव दक्षिणपंथी मंत्रियों बेज़ालेल स्मोट्रिच (वित्त ), यारिव लेविन (न्याय ), और इज़रायल काट्ज़ (रक्षा ) ने रखा था।

## ऑस्ट्रेलिया के एंड्रयू चार्लटन भारत में एआई इम्पैक्ट समिट में होंगे शामिल

**कैनबरा।** ऑस्ट्रेलिया के सहायक मंत्री (विज्ञान, प्रौद्योगिकी और डिजिटल अर्थव्यवस्था) डॉ. एंड्रयू चार्लटन भारत में आयोजित हो रहे एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेंगे, जहां वह सुरक्षित, समावेशी और सतत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया की नेतृत्वकारी भूमिका को रेखांकित करेंगे तथा निवेश, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और एआई-प्रेरित विश्व में श्रमिकों की अहम भूमिका को आगे बढ़ाने पर जोर देंगे। सहायक मंत्री समिट के दौरान राष्ट्रीय हित में और ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों के लाभ के लिए एआई के उपयोग के प्रति ऑस्ट्रेलिया की प्रतिबद्धता को उजागर करेंगे। डॉ. चार्लटन एआई के बढ़ते उपयोग के बीच श्रमिकों की आवाज को सशक्त बनाने के महत्व पर भी अपनी बात रखेंगे और सतत एआई अवसंरचना तथा सुरक्षित एवं समावेशी नवाचार में निवेश के लिए ऑस्ट्रेलिया को एक पसंदीदा साझेदार के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

# बांग्लादेश में बीएनपी सांसदों का शपथ ग्रहण, रिफॉर्म काउंसिल के मेंबर के तौर नहीं ली शपथ

**एजेंसी**

**ढाका ।** बांग्लादेश के 13वें संसदीय चुनाव में बड़ी जीत के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नए सांसदों ने मंगलवार को ढाका में नेशनल पार्लियामेंट के साउथ प्लाजा में पद की शपथ ली। इसके साथ ही बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान ने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस को तगड़ा झटका दिया है। दरअसल, बीएनपी सांसदों ने कॉन्स्टिट्यूशन रिफॉर्म काउंसिल के मेंबर के तौर पर शपथ नहीं ली है। चीफ इलेक्शन कमिश्नर एएमएम नासिर उद्दीन ने मंगलवार सुबह देश के संविधान के अनुसार शपथ दिलाई। दरअसल, 12वीं संसद के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का पद खाली होने की वजह से चीफ इलेक्शन कमिश्नर ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह पार्लियामेंट सचिवालय सेक्रेटरी कनीज मौला ने करवाया। बांग्लादेशी मीडिया ने जानकारी दी है कि बीएनपी सांसदों ने कॉन्स्टिट्यूशन रिफॉर्म काउंसिल के मेंबर के तौर पर शपथ नहीं ली। बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान ने ढाका-17 चुनाव क्षेत्र से सांसद के तौर पर शपथ ली। इस दौरान उनकी पत्नी, जुबैदा रहमान और उनकी बेटी जाइमा रहमान शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थीं।

बता दें, 2024 में शेख हसीना की सरकार गिराए जाने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार और 30 राजनीतिक दलों ने मिलकर संवैधानिक, चुनावी और प्रशासनिक सुधारों की एक योजना पेश की जुलाई 2025 में पेश की थी। बांग्लादेशी मीडिया द डेली स्टार ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत में बीएनपी नेता सलाउद्दीन अहमद ने कहा कि पार्टी चीफ तारिक रहमान के कहने पर बीएनपी के सभी नए चुने गए सांसदों को संविधान सुधार परिषद फॉर्म पर हस्ताक्षर न करने का निर्देश दिया गया है, क्योंकि उन्हें काउंसिल का मेंबर नहीं चुना गया था।

दूसरी ओर, बांग्लादेशी अखबार प्रोथोम आलो के अनुसार, जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) समेत 11 पार्टियों के गठबंधन के नए चुने गए सांसद शपथ न लेने पर विचार कर रहे थे। हालांकि, जमात के चुने गए सांसदों को उसी जगह पर शपथ दिलाई गई है। बता दें, जुलाई नेशनल चार्टर पर रेफरेंडम भी 12 फरवरी को ही 13वें संसदीय चुनाव के साथ हुआ था, जिसमें देश के 300 में से 299 चुनाव क्षेत्रों में वोटिंग कराई गई। चुनाव में बीएनपी ने 209 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात-ए-इस्लामी को 68 सीटें मिलीं। इसके अलावा, नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) ने छह, निर्दलीय उम्मीदवारों ने सात सीटों, बांग्लादेश खिलाफत मजलिश ने दो, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश ने एक, बांग्लादेश जातीय पार्टी (बीजेपी) (अंदलीव रहमान पार्थो की लीडरशिप में) ने एक, गणाधिकार परिषद ने एक, गणसंहति आंदोलन ने एक और खिलाफत मजलिश ने एक सीट पर जीत हासिल की।

## एपस्टीन फाइल्स पर हिलेरी क्लिंटन का तीखा हमला : ट्रंप प्रशासन फाइलों को छिपा रहा है

**एजेंसी**

**बर्लिन।** पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने बर्लिन में आयोजित 'वर्ल्ड फोरम' के दौरान बीबीसी को दिए एक विशेष इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हिलेरी ने मांग की है कि जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने की प्रक्रिया को जान-बूझकर धीमा किया जा रहा है। हिलेरी क्लिंटन ने सीधे तौर पर कहा, 'फाइलें जारी कीजिए। इसे जान-बूझकर धीमा किया जा रहा है।' उन्होंने संकेत दिया कि ट्रंप प्रशासन इन दस्तावेजों को पारदर्शी तरीके से सामने नहीं ला रहा है। क्लिंटन दंपति की पेशीः यह मामला तब और गंभीर हो गया है जब बिल और हिलेरी क्लिंटन दोनों को अमेरिकी कांग्रेस (संसद) की समिति के सामने पेश होना है। व्हाइट हाउस का पलटवार : हिलेरी के आरोपों पर व्हाइट हाउस ने कड़ा जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने फाइलें जारी करके पीड़ितों के लिए डेमोक्रेट्स की तुलना में कहीं अधिक काम किया है। विवाद की जड़ : बिल क्लिंटन और एपस्टीन का संबंधजेफरी एपस्टीन, जो 2019 में जेल में मृत पाया गया था, पर यौन अपराधों के गंभीर आरोप थे। इन फाइलों में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन का नाम शामिल होना विवाद का सबसे बड़ा कारण है। हालांकि बिल क्लिंटन का दावा है कि उन्होंने लगभग दो दशक पहले ही एपस्टीन से अपने सारे संबंध खत्म कर लिए थे, लेकिन समिति के सामने उनकी पेशी इस दावे की अग्निपरीक्षा होगी।फरवरी के आखिरी हफ्ते (26-27 फरवरी) में होने वाली यह पेशी अमेरिकी राजनीति की दिशा तय करेगी। क्या इन फाइलों में कुछ ऐसा है जो क्लिंटन परिवार के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

# नेपाल में मध्यमा मिथिला परिक्रमा का शुभारंभ

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल में धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व की मध्यमा मिथिला परिक्रमा शुरू हुई। मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री कृष्णप्रसाद यादव ने धनुषा जिले के कचुरी स्थित मिथिला बिहारी मठ से भगवान राम-जानकी की पालकी को उठाकर परिक्रमा का शुभारंभ किया।यह यात्रा अगले दिन यानी मंगलवार को जनकपुरधाम पहुंची, जहां इसका स्वागत करने के लिए मुख्यमंत्री यादव पहले से ही मौजूद रहे। इस अवसर पर भगवान राम-जानकी की पालकी को जनकपुरधाम स्थित रत्नसागर मठ होते हुए जानकी मंदिर लाया गया। वहां से जनकपुर के विभिन्न मठ-मंदिरों की पालकियों को शामिल कर सामूहिक रूप से परिक्रमा शुरू की गयी। पालकी के पीछे पारंपरिक बाजा-गाजा और मौलिक मिथिला परिधान में सजे श्रद्धालु शामिल हुए।15 दिनों तक चलने वाली 120 किलोमीटर लंबी यह परिक्रमा हर वर्ष फाल्गुन कृष्ण अमावस्या से पूर्णिमा तक आयोजित होती है, जो 90 किलोमीटर नेपाल में और 30 किलोमीटर भारत में होकर गुजरती है। नेपाल-भारत के बीच सांस्कृतिक सेतु के रूप में पहचानी जाने वाली यह परिक्रमा धनुषा, महोत्तरी तथा भारत के बिहार के दर्जनों धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों से होकर गुजरती है।मिथिला माहात्म्य के अनुसार मध्यमा मिथिला परिक्रमा की शुरुआत 18वीं शताब्दी से कुछ पहले हुई मानी जाती है। विष्णु पुराण के अंतर्गत वर्णित मिथिला माहात्म्य में मिथिला की तीन प्रकार की परिक्रमाओं का उल्लेख है। 'बृहत् मिथिला परिक्रमा' बहुत कम संत-महात्मा ही करते हैं। यह परिक्रमा बिहार की राजधानी पटना के निकट गंगा नदी के तट से शुरू होकर नेपाल के धौलागिरी पर्वत, हिमालय की गोद और कोशी नदी होते हुए पुनः गंगा तक के क्षेत्र तक जाती है। इसी तरह कल्याणेश्वर से शुरू होकर वहीं समाप्त होने वाली परिक्रमा को 'मध्यमा परिक्रमा' कहा जाता है। जनकपुरनगर के आसपास की जाने वाली परिक्रमा को 'लघु' अथवा 'अंतरगृह परिक्रमा' कहा जाता है। प्रत्येक विश्राम स्थल पर मिथिला माहात्म्य की कथा-वाचन की परंपरा है। परिक्रमा के अंतर्गत कुल 15 पड़ाव होते हैं, जिनमें चार भारत में और शेष नेपाल में स्थित हैं। परिक्रमावासी क्रमशः जनकपुर के हनुमाननगर, भारत के कलना स्थित कल्याणेश्वर, फूलहर का गिरिजास्थान, महोत्तरी का मठिहानी, जलेश्वर, मडैई, धुव्रकुंड, कंचनवन, पर्वता, धनुषाधाम, सतोखर, औरही होते हुए पुनः भारत के करुणा और विसौल तक पदयात्रा करेंगे। 15वें दिन जनकपुर की अंतरगृह परिक्रमा कर मध्य परिक्रमा संपन्न होगी। परिक्रमा के समापन के अगले दिन मिथिला क्षेत्र में होली पर्व मनाने की परंपरा है।जनकपुरधाम में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री यादव ने रामायण सर्किट को विशेष प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहरायी। उन्होंने बताया कि अयोध्या को सीधे जनकपुरधाम से जोड़ने के लिए जनकपुरधाम हवाई अड्डे के विस्तार की योजना आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा, 'अयोध्या से प्रतिदिन लगभग 500 यात्रियों के सीधे जनकपुरधाम आने के लिए सीधी फ्लाइट संचालन की तैयारी शुरू करेंगे।'

# अमेरिका के रोड आइलैंड हॉकी एरिना में गोलीबारी में तीन की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

**एजेंसी**

**सैन फ्रांसिस्को।** अमेरिका के पावकेट स्थित एक आइस एरीना में हुई फायरिंग में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, मृतकों में हमलावर भी शामिल है, जिसने घटना के बाद खुद को गोली मार ली। यह घटना डेनिस एम. लिंच एरिना में हुई, जहां कई स्कूलों के छात्रों की भागीदारी वाला हॉकी कार्यक्रम चल रहा था।

उस समय एरीना में बड़ी संख्या में छात्र और उनके अभिभावक मौजूद थे, जिससे अफरा-तफरी मच गई। सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि हमलावर ने संभवतः अपने ही परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया। मृतकों में एक छोटी बच्ची भी शामिल है। गोली लगने से घायल तीनों लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।पावकेट पुलिस प्रमुख टीना गोंकाल्वेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गोलीबारी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची




और पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया। कार्यक्रम में शामिल सभी स्कूलों ने पुष्टि की है कि उनके सभी छात्र सुरक्षित हैं और परिवारों से पुनर्मिलन की व्यवस्था की जा रही है। बता दें कि प्रोविडेंस के ठीक उत्तर में और मैसाचुसेट्स राज्य की सीमा पर बसा पावकेट लगभग 75,000 लोगों का शहर है। यह राज्य का चौथा सबसे बड़ा शहर है। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैक्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि रोड आइलैंड स्टेट पुलिस स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा, 'मैं इस घटना से प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना करता हूं। '

घटना के बाद एरीना के आसपास की सड़कों को बंद कर दिया गया और पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। हेलीकॉप्टर से भी निगरानी की गई। यह घटना ब्राउन यूनिवर्सिटी में हुई शूटिंग के कुछ महीने बाद हुई है, जो रोड आइलैंड से कुछ ही मील दूर है। दिसंबर में प्रोविडेंस में ब्राउन यूनिवर्सिटी की बारस एंड होली इंजीनियरिंग बिल्डिंग में एक आदमी ने फायरिंग की, जिसमें दो स्टूडेंट्स की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए थे।

# किसी भी देश पर चीन से रिश्ता तोड़ने का दबाव नहीं बनाएगा अमेरिकाः मार्को रुबियो

**एजेंसी**

**वॉशिंगटन ।** अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका अपने साझेदार देशों से वैचारिक निष्ठा की कोई शर्त नहीं रखेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका दुनिया के हर देश से यह अपेक्षा करता है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दे। साथ ही, अमेरिका किसी भी देश से यह नहीं कह रहा है कि वह चीन सहित किसी अन्य देश से खुद को अलग-थलग कर ले। मार्को रुबियो ने ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति को निर्देशात्मक के बजाय व्यावहारिक बताया, जबकि अमेरिका बीजिंग के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में भी बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए रुबियो ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के तहत हमारी अपेक्षा है कि दुनिया का हर देश अपने राष्ट्रीय हित में काम करेगा।' बुडापेस्ट में हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन



के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'हम दुनिया के किसी भी देश से यह नहीं कह रहे हैं कि वह खुद को किसी से अलग-थलग कर ले। ' मार्को रुबियो ने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए अमेरिका और चीन के रिश्तों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, यह पागलपन होगा बल्कि पूरी तरह से अव्यवहारिक होगा, अगर अमेरिका और चीन के बीच संबंध और संवाद न हों।' उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अप्रैल में चीन की यात्रा पर जाने वाले हैं। मार्को रुबियो का ये बयान उस समय आया, आई जब बुडापेस्ट के दौरे पर थे, जहां अमेरिका और हंगरी ने हंगरी के असैन्य परमाणु कार्यक्रम में सहयोग को सुगम बनाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। रुबियो ने अपने इस दौरे पर चीन के साथ आर्थिक या राजनीतिक संबंध बनाए रखने वाले सहयोगियों और साझेदारों के प्रति अमेरिका के बदलते नजरिए का संकेत दिया।

नाटो और यूरोपीय यूनियन के सदस्य हंगरी ने हाल के सालों में चीनी निवेश को बढ़ाया है और रूसी ऊर्जा खरीदने के लिए छूट बनाए रखी। ऐसे में रूपियो से पूछा गया कि आखिर अमेरिका बुडापेस्ट के बीजिंग के साथ अपने जुड़ाव को कम करने पर गहरे सहयोग की शर्त क्यों नहीं लगा रहा है? इस पर अमेरिकी नेता ने कहा, 'हम समझते हैं कि दुनिया के हर देश को अपनी भौगोलिक, अपनी आर्थिक, अपने इतिहास और अपने भविष्य की चुनौतियों की सच्चाई से निपटना पड़ता है। '

अमेरिकी विदेश सचिव ने कहा, 'यह दुनिया के लिए अच्छा नहीं है। यह किसी के लिए भी अच्छा नहीं है। किसी भी चीज के लिए 90 फीसदी किसी एक देश या एक अर्थव्यवस्था पर निर्भर रहना, खासकर जरूरी सप्लाई चेन जैसी चीजों के लिए, ज्यादा निर्भरता जियोपॉलिटिकल अच्छाई के बजाय एक कमजोरी है।

# ईवी की बिक्री में दुनिया में नेपाल दूसरे स्थान पर

**एजेंसी**

**काठमांडू।** विद्युत वाहन (ईवी) बिक्री के मामले में नेपाल ने दुनिया में दूसरा स्थान हासिल किया है। वर्ष 2025 में वैश्विक स्तर पर बिके ईवी कारों में नेपाल सबसे अधिक बिक्री करने वाले देशों में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि पहले स्थान पर यूरोप का नॉर्वे रहा। नॉर्वे ने 2025 में नई गाड़ियों की कुल बिक्री में 97 प्रतिशत ईवी बेचकर दुनिया में पहला स्थान प्राप्त किया था। नेपाल वैश्विक स्तर पर दूसरे पायदान पर है। अनुमान के अनुसार 2025 में नेपाल में नई कारों की कुल बिक्री में 73 प्रतिशत हिस्सेदारी ईवी की रही, जबकि 2019 में यह आंकड़ा केवल 8 प्रतिशत था। 2019 और 2025 के बीच ईवी बिक्री के हिस्से की तुलना करें तो नेपाल में 2019 की तुलना में 2025 में ईवी कारों की बिक्री में तेज़ उछाल देखा गया है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी और एम्बर के आंकड़ों के अनुसार, ईवी में बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन-दोनों शामिल हैं। नेपाल ने 2019 की तुलना में ईवी बिक्री में 61 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इसी अवधि में फिनलैंड और डेनमार्क–दोनों ने 50 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हासिल की। संयुक्त राज्य अमेरिका में 2025 में ईवी की बिक्री हिस्सेदारी 10 प्रतिशत रही, जो लगभग 16 लाख यूनिट के बराबर है। यूरोप के अन्य बाजारों में भी ईवी की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। बेल्जियम में 43 प्रतिशत, नीदरलैंड्स में 56 प्रतिशत, पुर्तगाल में 37 प्रतिशत और यूनाइटेड किंगडम में 33 प्रतिशत ईवी बिक्री दर्ज की गई है- जो 2019 की तुलना में अन्य देशों के साथ मिलकर उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाती है।

# भारत से पशुपतिनाथ मंदिर आए साधु संन्यासियों की हुई विदाई

**एजेंसी**

**काठमांडू।** महाशिवरात्रि पर पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचे नागा बाबा और अन्य साधुओं की मंगलवार को भेंट और दान देकर विदाई की गई है। गुठी संस्थान ने विदाई कार्यक्रम के लिए लगभग 30 लाख नेपाली रुपये का बजट आवंटित किया है। साधु महाशिवरात्रि के लिए फाल्गुन कृष्ण एकादशी के दिन पशुपतिनाथ पहुंचे थे। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्रीधर सापकोटा ने बताया कि नेपाल के बाहर से आए 4,000 से अधिक अलग-अलग संप्रदायों के साधुओं को पशुपति क्षेत्र के विभिन्न स्थानों जैसे गोरखनाथ मठ, आर्यघाट के पार रामचंद्र मंदिर, भस्मेश्वर अखाड़ा और निर्मला अखाड़ा में ठहराया गया था। साधुओं के आगमन पर उन्हें लाल, नीले, सफेद, पीले और हरे रंग के कार्ड वितरित किए गए थे और उन्हीं कार्डों की श्रेणी के आधार पर दान दिया जा रहा है। संस्थान के अनुसार नेपाल से बाहर से आए साधुओं को नजदीकी सीमा तक यात्रा में सहायता के लिए दान राशि



बढ़ाई गई है।गुठी संस्थान के पूर्व उप-प्रशासक दीपक बहादुर पाण्डे के अनुसार फाल्गुन कृष्ण औंसी के दिन साधुओं को औपचारिक रूप से विदा करने की परंपरा सन् 1775 से चली आ रही है, जब जंग बहादुर के ज्येष्ठ पुत्र जगत जंग ने जगन्नाथ प्रकाशेश्वर गुठी की स्थापना की थी। इस परंपरा का निर्वहन गुठी संस्थान और पशुपति क्षेत्र विकास ट्रस्ट की ओर से अब भी किया जाता है। पहले नागा बाबा और अन्य साधुओं को थापाथली के कलमोचन घाट से भोजन कराकर विदा किया जाता था, क्योंकि मान्यता थी कि कोट हत्याकांड में मारे गए लोगों का दाह-संस्कार जिस स्थल पर हुआ, वहां से साधुओं की विदाई करने से दिवंगत आत्माओं को शांति मिलती है। अब यह परंपरा बंद कर दी गई है और वर्तमान में साधुओं को पशुपतिनाथ के पश्चिमी मुख्य द्वार से विदा किया जा रहा है। दीपक बहादुर पाण्डे के अनुसार महाशिवरात्रि के लिए मंदिर परिसर के भीतर पांच दिन और बाहर चार दिन तक धूनी जलाए रखने के लिए 50 हजार किलोग्राम लकड़ी खरीदी गई, जिसकी लागत 7 लाख रुपये रही। पाण्डे के अनुसार कलमोचन घाट स्थित बैरागी, उदासी, संन्यासी और नाथ अखाड़ों में ठहरे नागा बाबा और साधुओं को भी आज दान देकर विदाई दी जा रही है। ट्रस्ट की कार्यकारी सदस्य शीला पंत ने बताया कि श्रेणी के अनुसार 101 से 5,001 नेपाली रुपये तक दान वितरित करने की तैयारी की गई है। इसके लिए ट्रस्ट ने 8 लाख रुपये आवंटित किए हैं। साधुओं को वर्ष भर मंदिर में अर्पित की गई रुद्राक्ष मालाएं भी प्रदान की जाएंगी।

## पाकिस्तान की राष्ट्रीय एयरलाइन पीआईए का होगा पूर्ण निजीकरण

**एजेंसी**

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान की राष्ट्रीय विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के पूर्ण निजीकरण का रास्ता साफ हो गया है। आरिफ हबीब ग्रुप के नेतृत्व वाला कंपनी समूह एयरलाइन की शेष 25 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी में है। यह जानकारी द न्यूज इंटरनेशनल ने दी है। इस कदम के बाद कंसोर्टियम को पीआईए का पूर्ण स्वामित्व मिल जाएगा, जो पाकिस्तान के हालिया इतिहास में किसी सरकारी उपक्रम से जुड़े सबसे बड़े निजीकरण सौदों में से एक माना जा रहा है। आरिफ हबीब लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शाहिद अली हबीब ने पुष्टि की है कि कंपनी समूह ने शेष शेयर खरीदने का निर्णय लिया है।उन्होंने बताया कि इस संबंध में औपचारिक फैसला अप्रैल में लिए जाने की उम्मीद है, जबकि भुगतान प्रक्रिया सहमत ढांचे के अनुसार 12 महीनों के भीतर पूरी की जाएगी। इसके साथ ही पीआईए का पूर्ण रूप से निजी स्वामित्व में स्थानांतरण हो जाएगा। इससे पहले कंपनी समूह ने दिसंबर में पीआईए की 75 प्रतिशत हिस्सेदारी 135 अरब पाकिस्तानी रुपये (लगभग 48.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर) में खरीदी थी। यह सौदा घाटे में चल रही और सीमित परिचालन वाली एयरलाइन के निजीकरण की सरकारी कोशिशों में एक बड़ा मील का पत्थर माना गया था। शेष 25 प्रतिशत हिस्सेदारी का मूल्य लगभग 45 अरब पाकिस्तानी रुपये (करीब 16 करोड़ अमेरिकी डॉलर) आंका गया है। इस प्रकार, पूरा सौदा संपन्न होने पर कुल लेनदेन का आकार करीब 180 अरब पाकिस्तानी रुपये (लगभग 64.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर) हो जाएगा। इस वर्ष की शुरुआत में तय शर्तों के तहत सरकार ने कंसोर्टियम को शेष शेयर खरीदने के विकल्प के प्रयोग के लिए 90 दिन की अवधि दी थी, जिसकी समयअसीमा अप्रैल के अंत तक है। समझौते के अनुसार, भुगतान के लिए 12 महीने का समय दिया जाएगा, ताकि खरीदारों पर वित्तीय दबाव कम रहे और संक्रमण की स्पष्ट समय सीमा सुनिश्चित हो सके। पीआईए के पूर्ण अधिग्रहण के बाद एयरलाइन पूरी तरह निजी इकाई के रूप में कार्य करेगी और लेनदेन पूरा होने के बाद उसके निदेशक मंडल में सरकार द्वारा नामित कोई सदस्य नहीं रहेगा। शाहिद अली हबीब के अनुसार, इससे शासन और प्रबंधन ढांचे में बुनियादी बदलाव आएगा और नए मालिकों को सुधार लागू करने में अधिक परिचालन स्वतंत्रता मिलेगी। उल्लेखनीय है कि वर्षों से बढ़ते वित्तीय घाटे, परिचालन अक्षमताओं और भारी कर्ज के कारण पाकिस्तान सरकार ने राष्ट्रीय एयरलाइन के निजीकरण का फैसला किया।

## 'तेहरान' सीरीज की सह-निर्माता डाना ईडन होटल में मृत पाई गईं

**एजेंसी**

**एथेंस।** चर्चित जासूसी थ्रिलर 'तेहरान' की सह-निर्माता डाना ईडन ग्रीस की राजधानी एथेंस के एक होटल कमरे में मृत पाई गईं। पुलिस के अनुसार, 52 वर्षीय इजराइली नागरिक का शव 15 फरवरी देर रात शहर के केंद्रीय इलाके Syntagma Square के पास स्थित होटल से बरामद हुआ। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि पोस्टमार्टम के आदेश दिए गए हैं और सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई है। शुरुआती संकेत आत्महत्या की ओर इशारा करते हैं, हालांकि अंतिम निष्कर्ष चिकित्सकीय रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा। ईडन 04 फरवरी को सीरीज के चौथे सीजन की शूटिंग के सिलसिले में एथेंस पहुंची थीं। यह सीरीज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर Apple TV+ पर प्रसारित होती है। पहले तीन सीजन की शूटिंग भी एथेंस में ही हुई थी।उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'डोना एंड शुला प्रोडक्शन' ने बयान जारी कर शोक व्यक्त किया और कहा कि उनकी मौत को किसी आपराधिक घटना या राष्ट्रीयता से जोड़ना 'गलत और निराधार' है। कंपनी ने परिवार और सहयोगियों की निजता का सम्मान करने की अपील भी की। सीरीज की कहानी इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के एक अंडरकवर एजेंट पर केंद्रित है।

# रहमान की कैबिनेट में दो अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं को जगह, निताई रॉय चौधरी और दीपेन दीवान ने ली शपथ

**एजेंसी**

**ढाका ।** बांग्लादेश के 13वें संसदीय चुनाव में जबरदस्त जीत हासिल करने वाले तारिक रहमान की कैबिनेट में दो अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं को जगह दी गई है। 25 सांसदों ने मंत्री पद की शपथ ली। इनमें निताई रॉय चौधरी का नाम भी शामिल है। हालांकि पहले चर्चा थी कि चौधरी के समधी और अहम महकमों के मंत्री रह चुके गोयेश्वर चंद्र रॉय को जगह मिलेगी। वहीं दूसरे अल्पसंख्यक नेता का नाम दीपेन दीवान है। रहमान की कैबिनेट में शामिल 25 नाम हैंः मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर, अमीर खोशरू महमूद चौधरी, सलाहुद्दीन अहमद, इकबाल हसन महमूद, मेजर (रिटायर्ड) हाफिज उद्दीन अहमद बीर बिक्रम, अबू जफर मोहम्मद जाहिद हुसैन, डॉ. खलीलुर रहमान, अब्दुल अव्वल मिंटू, काजी शाह मोफज्जल हुसैन कैकोबाद, मिजानुर रहमान मीनू, निताई रॉय चौधरी (हिंदू नेता), खंडेकर अब्दुल मुक्तदिर, अरिफुल हक चौधरी, जहीर उद्दीन स्वपन, मोहम्मद अमीन उर ??रशीद, अफरोजा खानम रीटा, शाहिद उद्दीन चौधरी एनी, असदुल हबीब दुलु, मोहम्मद असदुज्जमां, जकारिया



ताहिर, दीपेन दीवान (अल्पसंख्यक), एएनएम एहसानुल हक मिलन, सरदार मोहम्मद सखावत हुसैन, फकीर महबूब अनम, और शेख रबीउल आलम। तृतीयोमात्रा डॉट कॉम के मुताबिक, 1949 में पैदा हुए निताई रॉय चौधरी एक बांग्लादेशी वकील, राजनीतिज्ञ, और पूर्व मंत्री हैं। निताई रॉय चौधरी, जो मगुरा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए हैं, पार्टी के शीर्ष रणनीतिकारों में से एक हैं और शीर्ष नेतृत्व के वरिष्ठ रणनीतिक सलाहकार माने जाते हैं। उन्होंने जमात-ए-इस्लामी के प्रत्याशी को सीधी टक्कर में मात दी।

12 फरवरी 2026 को हुए 13वें संसदीय चुनाव में उन्होंने मगुरा-2 संसदीय क्षेत्र से जीत हासिल की। निताई रॉय चौधरी को 147896 वोट मिले हैं। उन्होंने जमात उम्मीदवार मुस्तर्शीद बिल्लाह को 30,838 वोटों के अंतर से हराया है। हालांकि चर्चा गोयेश्वर रॉय को लेकर थी, जो बांग्लादेश की राजनीति में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के प्रमुख चेहरों में से एक माने जाते हैं। खालिदा जिया सरकार में लगभग 30 साल पहले (1991-1996) वो राज्य मंत्री थे। दूसरे अल्पसंख्यक नेता दीपेन दीवान, बौद्ध मेजोरिटी वाले चकमा एथनिक माइनॉरिटी ग्रुप से हैं। इन्होंने दक्षिण-पूर्व रंगमती जिले की एक सीट से जीत हासिल की। हालांकि उनकी धार्मिक पहचान साफ नहीं है और कई लोग उन्हें हिंदू बताते हैं। दीवान ने अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी के तौर पर एक निर्दलीय चकमा उम्मीदवार को हराया। नव निर्वाचित सांसदों ने मंगलवार को ढाका में नेशनल पार्लियामेंट के साउथ प्लाजा में शपथ ली। इसके साथ ही बीएनपी अध्यक्ष रहमान ने मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस को तगड़ा झटका दिया और बीएनपी सांसदों ने कॉन्स्टिट्यूशन रिफॉर्म काउंसिल के मेंबर के तौर पर शपथ नहीं ली। 12वीं संसद के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का पद खाली होने की वजह से चीफ इलेक्शन कमिश्नर ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह पार्लियामेंट सचिवालय सेक्रेटरी कनीज मौला ने करवाया।

page 1 and 8 Feb 18_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/18/2026 12:53 AM Page 2



# स्थानीय समाचार

## किश्तवाड़ के डीएम ने कुख्यात अपराधियों पर कसा शिकंजा; शातिर चोर एवं नशा तस्कर पर पब्लिक सेफ्टी एक्ट, 1978 के तहत कार्रवाई

**किश्तवाड़, 17 फरवरी।** नशाखोरी, चोरी और गुंडागर्दी जैसी सामाजिक बुराइयों पर अंकुश लगाने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जारी अभियान के तहत जिला मजिस्ट्रेट किश्तवाड़, पंकज कुमार शर्मा ने आज एक आदतन अपराधी के विरुद्ध कड़ी निवारक कार्रवाई की।

जिला मजिस्ट्रेट किश्तवाड़ ने जम्मू-कश्मीर पब्लिक सेफ्टी एक्ट (PSA), 1978 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक कुख्यात अपराधी एवं नशा तस्कर रियाज अहमद पुत्र मोहम्मद इकबाल शेख, निवासी इंद्रा नगर, तहसील एवं जिला किश्तवाड़ के विरुद्ध निरोधात्मक हिरासत (डिटेंशन) आदेश जारी किया।

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक किश्तवाड़ द्वारा तैयार किए गए विस्तृत डोजियर के आधार पर की गई। जिला मजिस्ट्रेट ने अभिलेखों का गहन परीक्षण करने के उपरांत पाया कि उक्त व्यक्ति की गतिविधियां लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए अत्यंत हानिकारक एवं प्रतिकूल हैं।

आरोपी रियाज अहमद एक आदतन अपराधी पाया गया, जो चोरी, वाहन चोरी, हिंसक हमले तथा मादक पदार्थों की अवैध तस्करी जैसे गंभीर आपराधिक कृत्यों में लिप्त रहा है।

जिला मजिस्ट्रेट ने यह भी अवलोकन किया कि गंभीर अपराधों—जिनमें घर में अवैध प्रवेश, महिलाओं एवं बच्चों पर हमला तथा हेरोइन रखने के मामले शामिल हैं—में कई प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद सामान्य कानूनी प्रक्रिया उसे आपराधिक गतिविधियों से रोकने में विफल रही।

आरोपी बार-बार जमानत पर छूटकर पुनः उसी अवैध धंधे में संलिप्त हो जाता था। उसकी निरंतर आपराधिक गतिविधियों से शांतिप्रिय नागरिकों में असुरक्षा की भावना व्याप्त हो गई थी तथा जिले के युवाओं को नशे की ओर प्रभावित कर उनके भविष्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा था।

## डिजिटल साक्ष्य के प्रबंधन पर महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया

**उधमपुर, 17 फ़रवरी (हि.स.)।** डिजिटल साक्ष्य के प्रबंधन पर महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम आयोजित शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी उधमपुर में डिजिटल साक्ष्य के प्रबंधन पर एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया

जिसमें जम्मू और कश्मीर पुलिस के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया और कानून के अनुसार डिजिटल साक्ष्य एकत्र करने, संरक्षित करने और प्रस्तुत करने के बारे में जानकारी प्राप्त की। ई-मेल और क्लाउड में संग्रहीत दस्तावेजों से लेकर मोबाइल डिवाइस डेटा और नेटवर्क लॉग तक, डिजिटल साक्ष्य आपराधिक जांच, नियामक पूछताछ और आंतरिक संगठनात्मक समीक्षाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# कठुआ विधायक ने विधानसभा में कृषि बागवानी व ग्रामीण विकास से जुड़े अहम मुद्दे उठाए

**कठुआ, 17 फरवरी (हि.स.)।** कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने विधानसभा में कृषि, बागवानी और ग्रामीण विकास विभागों की अनुदान चर्चा के दौरान क्षेत्र के किसानों और ग्रामीण विकास से जुड़े कई अहम मुद्दे उठाए। उन्होंने किसानों को समय पर खाद उपलब्ध न होने की समस्या पर चिंता जताते हुए बायोफर्टिलाइजर के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

विधायक ने कहा कि कठुआ धान उत्पादन के लिए उपयुक्त क्षेत्र है लेकिन खोख्याल, किरपाल, अपर नरोलियां और सैदपुर के किसानों को अपनी उपज बेचने में परेशानी हो रही है। उन्होंने करीब 20 गांवों के किसानों की सुविधा के लिए मीरपुर राम में अनाज मंडी स्थापित करने की मांग की। उन्होंने जिले में मशरूम उत्पादन की सराहना करते हुए कहा कि इससे सैकड़ों स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं और युवाओं को रोजगार मिला है तथा कठुआ में मशरूम अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने की जरूरत है। इसके अलावा उन्होंने बनी, लोवांग, सारथल, लोहाई मल्हार और मच्छेड़ी क्षेत्रों में लैवेंडर और चाय की खेती को बढ़ावा देने की मांग की जिससे किसानों की आय बढ़ सकती है। डॉ. भारत भूषण ने कृषि इंजीनियरिंग की अलग शाखा खोलने, कठुआ में नया बागवानी कार्यालय और आवासीय परिसर बनाने तथा बागवानी विभाग में स्टाफ की कमी दूर करने की भी मांग की। उन्होंने आईडब्लूएमपी के तहत अधिक क्षेत्रों को शामिल करने, जल संरक्षण पर जोर देने, मनरेगा की लंबित देनदारियां जल्द जारी करने और डीआरडीए के शेष कर्मचारियों को नियमित करने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने नगर निकाय और पंचायत वार्डों के परिसीमन तथा जनप्रतिनिधियों के मानदेय में वृद्धि की भी मांग उठाई।

## गो-तस्कर की करीब 9.82 लाख रुपये कीमत की गाड़ी को किया जब्त

**सांबा, 17 फ़रवरी (हि.स.)** सांबा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आदतन गो-तस्कर की करीब 9.82 लाख रुपये कीमत की गाड़ी को जब्त कर अटैच कर दिया है। यह कार्रवाई माननीय अदालत सांबा के आदेश पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 107 के तहत की गई।

पुलिस के अनुसार जब्त किया गया वाहन महिंद्रा एंड महिंद्रा का ऑटो लोड कैरियर (नंबर जेके02डीएम-0781) है जो आरोपी मोहम्मद हनीफ पुत्र अब्दुल राशिद निवासी आर.एस. पुरा के नाम पर दर्ज है। यह वाहन थाना सांबा में दर्ज एफआईआर नंबर 223/2025 (धारा 223 बी एनएस और 11 पीसीए एक्ट) में शामिल पाया गया था।

# कठुआ के उपायुक्त ने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के तहत प्रगति की समीक्षा की

**कठुआ, 17 फ़रवरी (हि.स.)।** कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा ने आज यहां उपायुक्त कार्यालय परिसर में समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के तहत प्रगति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

उपायुक्त ने लाभार्थी कवरेज, भौतिक और वित्तीय उपलब्धियों, किसान साथी पोर्टल पर आवेदनों की स्थिति और जिले भर में योजनाओं की समग्र पहुंच पर विशेष ध्यान देते हुए एचएडीपी के तहत घटक-वार और विभाग-वार प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में एचएडीपी के प्रमुख घटकों जिनमें बीज और बीज गुणन श्रृंखला, विशिष्ट और विदेशी सब्जियों का संवर्धन, कृषि विपणन, मधुमक्खी पालन, रेशम उत्पादन, बाजरा और पोषक अनाज, कृषि मशीनीकरण और स्वचालन तथा साल भर मशरूम उत्पादन शामिल हैं के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की गई।

डेयरी, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, भेड़पालन, पुष्पकृषि, तिलहन, एकीकृत कृषि प्रणाली, वर्षा आधारित क्षेत्र विकास, वैकल्पिक कृषि प्रणाली, मृदा एवं भूमि संसाधन प्रबंधन और चारा विकास जैसे संबद्ध क्षेत्रों में हुई प्रगति का भी आकलन किया गया।

सभी एचएडीपी घटकों की व्यापकता पर जोर देते हुए डीसी ने अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रस्तुत लाभार्थी आवेदनों की निगरानी सुनिश्चित करने और उनके समय पर प्रसंस्करण में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने सटीक डेटा बनाए रखने और पारदर्शिता में सुधार के लिए पोर्टल से अस्वीकृत या अपात्र आवेदनों को हटाने पर बल दिया। उन्होंने किसान खिदमत समूहों और अन्य जमीनी स्तर के हस्तक्षेपों को सक्रिय और मजबूत करने का निर्देश दिया ताकि लामबंदी को बढ़ाया जा सके और एचएडीपी की व्यापकता में सुधार किया जा सके जो केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर जिलों की त्रैमासिक रेटिंग में सीधे तौर पर परिलक्षित होता है।

## वुलर झील पर्यटकों के लिए खोलने के फैसले का किया स्वागत

**श्रीनगर, 17 फ़रवरी (हि.स.)।** वुलर झील के आसपास रहने वाले लोगों ने करीब 10 महीने बाद झील को पर्यटकों के लिए दोबारा खोलने के फैसले का स्वागत किया है।

यह फैसला जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे टूरिज्म से जुड़ी उनकी रोजी-रोटी को फिर से सहारा मिलेगा।

बताया जा रहा है कि पहलगाम में हुई घटना के बाद सुरक्षा और प्रशासनिक कारणों से इस इलाके सहित कई पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया गया था। इससे पर्यटन पर निर्भर क्षेत्रों में आने वाले पर्यटकों की संख्या घट गई और आर्थिक गतिविधियों पर भी असर पड़ा।

## बनी तहसील की कई पंचायतों में समाज कल्याण विभाग का जागरूकता अभियान

**कठुआ/बनी, 17 फरवरी (हि.स.)।** समाज कल्याण विभाग कठुआ द्वारा डीसी राजेश शर्मा के मार्गदर्शन में तहसील बनी के विभिन्न पंचायतें बनी, लोवांग नॉर्थ, लोवांग साउथ, कंथाल, सियारा, चंडाल और बरमोता में आईसीडीएस के सहयोग से व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, संकल्प एचईडब्लू टीम और सीएचएल टीम ने भाग लेकर लोगों को विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाओं जैसे वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन सहित अन्य सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, आवेदन प्रक्रिया और शिकायत निवारण व्यवस्था के बारे में भी जानकारी दी गई ताकि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। संकल्प एचईडब्लू टीम ने डूंगन पंचायत के बांजल, सुरजन, सुरजन छलो और कोटी क्षेत्रों में भी जागरूकता अभियान चलाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लेकर अधिकारियों से संवाद किया और अपनी समस्याएं भी रखीं, जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया गया और उन्हें आगे भी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया।


कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

"मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई–बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।"
– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मेरी खेती को मिली खुशहाली की सौगात

# मेरी पॉलिसी, मेरे हाथ

- रबी 2025 की फसल बीमा पॉलिसी पाएं
- खरीफ 2026 मौसम में भी फसल बीमा अवश्य कराएं

**फसल बीमा कराओ, सुरक्षा कवच पाओ**

### मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान के उद्देश्य

- किसानों के घर पर फसल बीमा पॉलिसी का सीधा वितरण
- ग्राम स्तर पर किसानों को फसल बीमा योजना की पूरी जानकारी प्रदान करना
- आगामी खरीफ 2026 में फसलों का बीमा कराने हेतु किसानों को प्रोत्साहित करना

### प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की 10 वर्षों की उपलब्धियाँ

- 87+ करोड़ किसान आवेदन प्राप्त
- लगभग ₹2 लाख करोड़ के क्लेम का किसानों को भुगतान

देशव्यापी हेल्पलाइन 14447

आपके गांव में आयोजित शिविर एवं फसल बीमा पाठशाला में ज़रूर आएं
- अपनी फसल बीमा पॉलिसी पाएं
- जानें फसल हानि की सूचना, क्लेम एवं शिकायत निवारण प्रक्रिया
- साथ ही पाएं आगामी खरीफ 2026 मौसम में फसलों का बीमा कराने की पूरी प्रक्रिया एवं मार्गदर्शन

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय | जनसेवा केंद्र | क्रॉप इंश्योरेंस ऐप https://play.google.com | पोस्ट ऑफिस | बैंक शाखा

@PMFBY

योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें